लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

15 अक्टूबर 2026 गुरुवार
वर्ष : 19 अंक: 104
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

The Power of Truth
हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep www.lokhastakshep.com

13 मासूमों की मौत और मातम में डूबा गांव, दशहरा की खुशियां छीन ले गया वैशाली हादसा

एजेंसी,हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर में नाव दुर्घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। रामपुर श्यामचंद गांव के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश बच्चे हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में चीख–पुकार और मातम का माहौल है। जिन घरों से बच्चे भोज खाने के लिए निकले थे, वहां अब अपनों को खोने का असहनीय दर्द है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और गांव में हर तरफ गमगीन माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाव पर सवार होकर 20 से अधिक बच्चे और अन्य लोग भोज खाने जा रहे थे। इसी दौरान नाव क्षतिग्रस्त होने के कारण हादसा हो गया और उस पर सवार लोग नदी में डूबने लगे। घटना के बाद स्थानीय लोगों और बचाव दल की मदद से डूबे लोगों की तलाश शुरू की गई। अब तक 13 शव निकाले जाने की सूचना

है। हादसे में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या में बच्चों के शामिल होने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। बुधवार को फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश भी है। ग्रामीणों का आरोप है कि दुर्घटनाग्रस्त नाव सरकारी थी और लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी। नाव को बदलने के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार आवेदन दिए गए थे, लेकिन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नाव बदल दी गई होती, तो शायद इस दर्दनाक हादसे को टाला जा सकता था।

हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों और ग्रामीणों के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश की गई। एक ही गांव के कई बच्चों की मौत ने लोगों को भीतर तक झकझोर दिया है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को भविष्य के सपनों के साथ बड़ा होते देखने की उम्मीद की थी, वे अब अपने जिगर के टुकड़ों को खोने के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। इस त्रासदी ने एक बार फिर नदी पार करने के लिए सुरक्षित नावों, समय पर रखरखाव और प्रशासनिक जवाबदेही की जरूरत को सामने ला दिया है। स्थानीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि बाढ़ के दौरान राघोपुर में रात के समय नाव परिचालन को लेकर प्रतिबंध और सावधानियां जारी की गई थीं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की निर्माता और नए भारत की भाग्य विधाता बन रही यूपी की नारी : सीएम

□मुख्यमंत्री ने मां कूष्मांडा को बताया सृजन व ऊर्जा की प्रतीक

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की चतुर्थी पर मां कूष्मांडा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। उन्होंने प्रदेशवासियों को सृजन, ऊर्जा और समृद्धि की सनातन प्रतीक मां कूष्मांडा की आराध ाना का संदेश भी बताया। जहां नारी को शक्ति व अवसर मिलता है, वहां अभाव परिश्रम में, परिश्रम आत्मनिर्भरता में और आत्मनिर्भरता समृद्धि में बदलती है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि उत्तर प्रदेश की नारी अब केवल विकास की लाभार्थी नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था की निर्माता और नए भारत की भाग्य विधाता बन रही है। 2017 से पहले महिलाओं के लिए न अवसर था, न संसाधन और न ही सरकार के पास नीति और नीयत। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार गांव की बहनों को आत्मनिर्भरता की नई राह से जोड़ रही है। बीसी सखी गांवों में बैंकिंग सेवाओं की सशक्त कड़ी हैं।

लखपति दीदी आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन गई हैं। ड्रोन दीदी खेती में आधुनिक तकनीक का नेतृत्व कर रही हैं।

मानसा में परविंदर के हत्यारे के घर-दुकान पर चला बुलडोजर, सीबीआई जांच की मांग

एजेंसी,मानसा । पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। घटना के विरोध में शहर में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं और पीड़ित परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच के साथ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग उठाई है। इस बीच, प्रशासन ने मामले के मुख्य आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक अश्वनी कुमार के घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू की है। वहीं, आरोपी की दुकान में गुस्साई भीड़ द्वारा आग लगाए जाने की खबर भी सामने आई है। हत्याकांड के बाद मानसा में लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। परिवार और प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मामले में शामिल सभी लोगों की

भूमिका की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। प्रशासन की कार्रवाई और विरोध प्रदर्शनों के बीच शहर की स्थिति पर सबकी नजर बनी हुई है।

परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी अश्वनी कुमार को राजस्थान के सालासर से हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह मेडिकल स्टोर संचालक ने झोटा पर नजदीक से तीन गोलियां चलाई थीं। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के बाद से ही मानसा में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। मंगलवार को शहर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला, जबकि बुधवार को भी कई स्थानों पर बंद और विरोध का माहौल बना रहा। लोग झोटा के लिए न्याय और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हत्याकांड के बाद प्रशासन ने आरोपी अश्वनी कुमार के घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू की है। इसके साथ ही उसकी दुकान में भीड़ द्वारा आग लगाए जाने की खबर सामने आई है। इन घटनाओं के बीच कानून–व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। हालांकि, घर पर कार्रवाई किस कानूनी आधार पर की जा रही है, इस बारे में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना जरूरी है। किसी भी संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही की जानी चाहिए।

श्रद्धा दुबे की कार भारत नेपाल सीमा पर मिली

बहराइच,संवाददाता। जिले में कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की एसयूवी भारत–नेपाल सीमा से सटे रुपईडीहा में मिली है। यह गाड़ी शुक्ला पार्किंग में 10 अक्टूबर से खड़ी थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि श्रद्धा चार दिन पहले ही नेपाल भाग गई है। बुधवार सुबह रुपईडीहा कस्बे में यूपी 32 क्यू 0111 नंबर की एसयूवी खड़ी होने की जानकारी मिली थी। काफी खोजबीन के बाद दोपहर करीब 3 बजे गाड़ी शुक्ला पार्किंग में मिली। जांच में पता चला कि यह एसयूवी श्रद्धा दुबे की है।

दिल्ली पुलिस का स्पष्टीकरण, कानून तोड़ने और उकसाने के आरोप में सौरभ दास और आशुतोष गिरफ्तार

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेताओं सौरभ दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर जवाब दिया है। पुलिस ने बुधवार को कहा कि सीजेपी के दोनों नेताओं को कानून के बार–बार उल्लंघन करने और दूसरे लोगों को उकसाने की आशंकाओं के मद्देनजर जेल भेजा गया है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने दोनों न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। साथ ही, सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे को रिहा कर दिया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने अपने बयान में कहा कि सीजेपी के अजिंक्य शिंदे को 5,000 रुपए के निजी बॉन्ड भरने और जमानत पर

छह महीने तक ाांति और अच्छा व्यवहार बनाए रखने का आदेश दिया गया। पुलिस ने कहा, 13 अक्टूबर की सुबह, सौरव दास, आशुतोष रंका, अजिंक्य शिंदे और कॉकरोच जनता पार्टी के 11 अन्य सदस्य जंतर–मंतर पहुंचे थे। जंतर–मंतर को अब विरोध ा–प्रदर्शन की जगह के तौर पर मान्यता नहीं दी गई है, और वे वहां एक निजी परिसर से होकर जबरन अंदर घुसे थे। अधिकारियों के अनुसार, मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया और उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों को उनके आधिकारिक काम करने से रोका। बयान में कहा गया, सभी को हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई।

आशुतोष और सौरभ की गिरफ्तारी से युवा पीढ़ी को डराने की कोशिश, ममता बनर्जी का केंद्र सरकार पर हमला

एजेंसी,कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह पूरी पीढ़ी को डराने और चुप कराने की कोशिश है। ममता बनर्जी ने एक्स पोस्ट में लिखा, हमने और हमसे पहले की कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी है। हमें ऐसा करना जारी रखना चाहिए। मैं सीजेपी के आशुतोष और सौरव की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती हूं। ये क्षण हम सभी के लिए है, जो हमारे महान लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ने की प्रतिज्ञा लेते हैं और खड़े होते हैं। यह पूरी पीढ़ी को

डराने और चुप कराने की कोशिश है। यह अस्वीकार्य है। हमें अपने संवैध ाानिक अधिकारों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने एक्स पोस्ट में आगे लिखा, इस समय बंगाल में हमारे 14,000 लोग पुलिस और राजनीतिक अत्याचारों का सामना कर रहे हैं। एक सरकार जो भूल गई है कि यह लोगों की, लोगों के द्वारा, लोगों के लिए है उसका अंत निकट है। लाखों युवाओं से मैं कहती हूं कि आपकी दीदी आपके साथ है।

बीजेपी का शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए घर घर संपर्क पर जोर

बस्ती,संवाददाता। शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर दोपहर 1 बजे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में प्रथम वरीयता का मत हासिल करने के लिए कार्यकर्ताओं को मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मतदाताओं के घर–घर पहुंचना है। उन्होंने चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता के साथ जुटने की अपील की। जिला प्रभारी एवं क्षेत्रीय महामंत्री सत्येन्द्र सिन्हा ने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बृद्ध जनों को फल साड़ी और कंबल का वितरण कर दी बधाई

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के छठे चरण के अंतर्गत तहसील सफीपुर के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित तकिया निहोंगी वृद्ध आश्रम परिसर में जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना जी व पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से वृद्ध आश्रम में रह रहे महिला और पुरुष वृद्ध जनों को फलों की टोकरी साड़ी और कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर महिला वृद्ध जनों को फलों की टोकरी के साथ साड़ी व पुरुष वृद्ध जनों को फलों की टोकरी के साथ कंबल का वितरण किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शारदीय नवरात्रि के अवसर पर वृद्ध जनों को सम्मानित करने का यह पुनीत अवसर है । कहा कि आप सब सुखमय जीवन यापन करें आप सबके लिए आगामी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं। जिला अधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि वृद्ध आश्रम के सभी वृद्ध जनों का मेडिकल कैंप लगाकर बीपी शुगर व अन्य बीमारियों की चेकिंग करने के लिए कैंप आयोजित कराएं। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि डॉक्टर साप्ताहिक वृद्ध आश्रम में भ्रमण कर बीमार वृद्ध जनों का इलाज करते रहें । कहा कि बृद्ध जनों की बेहतर देखभाल किया जाए । जिलाधिकारी ने जल्द ही वृद्ध आश्रम में आकर परिवार और वृद्ध जनों के साथ एक दिन भोजन करने का इच्छा प्रकट की । इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने भी सभी वृद्ध जनों को आगामी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए परिवार के साथ दीपावली के अवसर पर वृद्ध जनों के साथ भोजन करने की इच्छा प्रकट की। इस अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय ने वृद्ध आश्रम के महिला और पुरुष आवासों का भी निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी लेकर निर्देशित किया। कार्यक्रम के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेंद्र लाल उपजिला अधिकारी सफीपुर श्रीमती फाल्गुनी सिंह क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बढ़ी मुश्किलें ऑफलाइन चिकित्सा प्रतिपूर्ति की मांग को लेकर उठाई गई आवाज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति की भुगतान प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किए जाने के बाद बुजुर्ग पेंशनरों के सामने गंभीर समस्याएं खड़ी हो गई हैं। 86 वर्ष तक की आयु के कई पेंशनर तकनीकी शिक्षा और स्मार्टफोन–पोर्टल के इस्तेमाल की जानकारी के अभाव में परेशान हो रहे हैं। इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए आजाद अधिकार सेना के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सेवानिवृत्त कर्मचारी नेता नवल किशोर मिश्रा ने मुख्यमंत्री वित्त मंत्री और राज्यपाल को पत्र भेजकर और ईमेल के माध्यम से मांग की है कि जब तक सभी को सुचारू रूप से जानकारी और प्रशिक्षण नहीं मिल जाता तब तक ऑनलाइन के साथ–साथ ऑफलाइन चिकित्सा प्रतिपूर्ति के प्रार्थना पत्र भी अनिवार्य रूप से लिए जाएं।

ट्रेजरी और संगठनों की कार्यशैली पर उठे सवाल

जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने आरोप लगाया है कि ऑनलाइन प्रक्रिया से संबंधित सरकारी शासनादेश और ट्रेनिंग शेड्यूल की जानकारी आम सेवानिवृत्त कर्मचारियों तक समय पर नहीं पहुँच सकी है। कुछ सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठनों ने इसकी जानकारी केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित रखी जिससे अन्य कर्मचारियों को ट्रेनिंग का पता तक नहीं चल पाया। इसके अलावा जिला ट्रेजरी कार्यालय भी पेंशनरों को इस नई व्यवस्था की जानकारी देने में पूरी तरह पीछे रहा है। जब तक सभी पेंशनरों को नई डिजिटल प्रक्रिया का पूर्ण प्रशिक्षण व जानकारी नहीं मिल जाती तब तक ऑफलाइन चिकित्सा प्रतिपूर्ति आवेदन स्वीकार करने की व्यवस्था जारी रखी जाए। ट्रेजरी व संबंधित विभागों द्वारा पारदर्शी तरीके से सभी बुजुर्ग पेंशनरों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएं। नई व्यवस्था के शुरुआती दौर में आवेदनों की प्रक्रिया में पूरी ढील दी जाए ताकि किसी भी बुजुर्ग को असुविधा न हो।

पत्नी और आठ माह के बच्चे के भरण-पोषण का खर्च न देने का आरोप, महिला ने लगाई न्याय की गुहार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर पर्याप्त भरण–पोषण का खर्च न देने और अपनी भाभी के साथ दिल्ली में रहने का आरोप लगाया है। महिला ने इस संबंध में प्रार्थना पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बता दे कि प्रार्थिनी के अनुसार, उसकी शादी 22 मई 2025 को फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से रीति–रिवाज और दान–दहेज के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पति उसे छोड़कर अपनी भाभी के साथ दिल्ली में रहने लगा। महिला का आरोप है कि पति उसे और उसके आठ माह के बेटे के पालन–पोषण के लिए पर्याप्त खर्च नहीं दे रहा है। महिला ने बताया कि इससे पहले भी उसने शिकायत की थी। उस समय सुलह–समझौते के दौरान पति ने उसे साथ रखने और हर महीने पांच हजार रुपये खर्च देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, महिला का आरोप है कि अब पति खर्च देने को तैयार नहीं है। पीड़िता ने अपने छोटे बच्चे के पालन–पोषण और भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

महिला पुलिस ने कुष्ठ और वृद्धाश्रम में बांटी खाद्य सामग्री

सीतापुर,संवाददाता। जिले के खैराबाद में महिला पुलिस ने सेवा भाव की मिसाल पेश की। खैराबाद थाना पुलिस ने साई कुष्ठ आश्रम और वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री बांटी। इस दौरान पुलिस टीम ने आश्रम में रह रहे लोगों को खाने का सामान दिया। उन्होंने इसके जरिए संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय सेवा का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक आकांक्षा यादव (चौकी प्रभारी हटौरा), उपनिरीक्षक श्वेता सिंह, उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह (चौकी प्रभारी आईटीआई) और उपनिरीक्षक योगेंद्र यादव (चौकी प्रभारी मछरेहटा चौराहा) शामिल रहे। महिला आरक्षी सपना शर्मा, मनीष सिंह, काजल गुप्ता, मोनिका और आरक्षी तेजवंत भी मौजूद थे।

मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण में छात्र–छात्राओं को किया जागरूक यातायात नियमों की दी जानकारी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। थाना रामकोट क्षेत्र के ग्राम मधवापुर चौराहे पर 14 अक्टूबर 2026 को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना रामकोट पुलिस टीम ने एंटी रोमियो अभियान के तहत महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा आत्मनिर्भरता तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने छात्र–छात्राओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं महिला सुरक्षा से संबंधित टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबरों तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। महिलाओं और छात्राओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

यातायात नियमों की जानकारी देते हुए पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने लाल बत्ती पर रुकने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तेज गति से वाहन चलाने से बचने और गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में लगभग 40 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जागरूकता संबंधी 40 पंपलेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में उप निरीक्षक रविंद्र नाथ गौड़ हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह कांस्टेबल शिवम यादव कांस्टेबल नितीश तिवारी कांस्टेबल प्रिंस ठाकुर महिला आरक्षी संध्या तिवारी महिला आरक्षी प्रीति सिंह महिला आरक्षी लाली देवी तथा महिला आरक्षी प्रतिभा गंगवार मौजूद रहीं। थाना रामकोट पुलिस की ओर से आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्र–छात्राओं को सुरक्षा संबंधी कानूनों, सरकारी योजनाओं तथा यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक करना रहा।

मारपीट के पीड़ितों से मिलने पहुंचे राज्यमंत्री

सीतापुर,संवाददाता। जनपद के कोतवाली देहात क्षेत्र में मारपीट के मामले को लेकर कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही बुधवार दोपहर करीब 3 बजे जिला महिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार के मेडिकल परीक्षण को लेकर डॉक्टरों से बातचीत की और सीएमएस डॉ. इंद्र सिंह तथा महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. सुनीता कश्यप को फटकार लगाई। इसके बाद उन्होंने कोतवाली देहात पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। मामला कोतवाली देहात क्षेत्र के गंगापुर मजरा नसरोही का है। पीड़ित संदीप कुमार के मुताबिक, करीब एक महीने पहले उनके घर में चोरी हुई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। संदीप का आरोप है कि 13 अक्टूबर 2026 की शाम वही लोग दोबारा उनके घर पहुंचे और मारपीट करने लगे। बीच–बचाव करने आईं उनकी मां लौंगा, बहन मंजू और भाई देशराज समेत पांच लोगों के साथ लात–घूंसों से मारपीट की गई। पीड़ित परिवार ने गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की। परिवार ने चौकी इंचार्ज राजेंद्र यादव की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। राज्यमंत्री सुरेश राही ने पुलिस पर जातिगत भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि मेडिकल परीक्षण में केवल चोटें दर्ज की गईं, जबकि पीड़ितों की ओर से लगाए गए अन्य गंभीर आरोपों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने डॉक्टरों से मेडिकल परीक्षण को गंभीरता से लेने और पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। वहीं, पुलिस ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि मामले की जांच जारी है।

गन्ना भुगतान को लेकर आज से गन्ना समिति में होगा सत्याग्रह

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ। बजाज चीनी मिल गोला से बकाया गन्ना भुगतान समेत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन आज 15 अक्टूबर से सहकारी गन्ना विकास समिति परिसर में सत्याग्रह शुरू करेगा। सत्याग्रह में किसानों की भागीदारी बढ़ाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों ने कई गांवों का भ्रमण कर किसानों से संपर्क किया और आंदोलन में शामिल होने की अपील की। संगठन के पदाधिकारियों ने छितौनियां बेहड़ा ऊंचागांव रोशननगर परेली झारा गणेशपुर जनकपुर और देवीपुर सहित कई गांवों में किसानों से वार्ता की। संगठन ने बजाज चीनी मिल से बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान कराने जंगली जानवरों और छुट्टा पशुओं से किसानों और फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसलों का तत्काल मुआवजा देने और गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग उठाई है। राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर प्रस्तावित सत्याग्रह को व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने किसानों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

PET-2026 200 से 400 किमी दूर परीक्षा केंद्र मिलने से अभ्यर्थी परेशान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा PET-2026 के अभ्यर्थियों को दूरस्थ परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाने की शिकायत सामने आई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि कुछ परीक्षार्थियों को अपने गृह जनपद से 200 से 400 किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र मिले हैं। इससे उन्हें परीक्षा में शामिल होने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। PET–2026 की लिखित परीक्षा 25 अक्टूबर 30 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को आयोजित की जानी निर्धारित है। परीक्षा प्रदेश के 60 जिलों में प्रत्येक निर्धारित तिथि पर दो पालियों में कराई जाएगी।

अभ्यर्थियों के अनुसार इतनी लंबी दूरी तय करने में बस और ट्रेन से कई घंटे लग सकते हैं। यात्रा के दौरान होने वाली थकान मानसिक तनाव और अतिरिक्त आर्थिक खर्च का असर उनकी परीक्षा की तैयारी एवं प्रदर्शन पर पड़ने की आशंका है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए यात्रा और ठहरने का खर्च भी परेशानी का कारण बन सकता है।

अभ्यर्थियों ने मांग की है कि उन्हें गृह जनपद अथवा पड़ोसी जनपदों में या लगभग 100 किलोमीटर के दायरे में परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाएं। इससे परीक्षार्थियों को समय पर केंद्र पहुंचने में सुविधा मिलेगी और अनावश्यक यात्रा से राहत मिल सकेगी। आजाद अधिकार सेना, सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजने के साथ प्रधानमंत्री महामहिम राष्ट्रपति भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष का ध्यान भी आकृष्ट करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

नवल किशोर मिश्रा ने मांग की है कि दूरस्थ परीक्षा केंद्रों के आवंटन की समीक्षा कर जहां संभव हो केंद्रों में संशोधन किया जाए। साथ ही भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की यात्रा दूरी आर्थिक स्थिति और सुविधा को ध्यान में रखकर परीक्षा केंद्र आवंटित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

माहवारी स्वच्छता पर कार्यशाला :पोस्टर से दिया जागरूकता का संदेश

रायबरेली,संवाददाता। जिले के जगतपुर में कंपोजिट विद्यालय रोझइया भीखम शाह में बुधवार को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता कार्यशाला हुई। यह अभियान राज्य परियोजना कार्यालय और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह के निर्देश पर जनपद के कई स्कूलों में चल रहा है। मीना मंच ने इस कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें बालिकाओं और उनकी माताओं को माहवारी के दौरान साफ–सफाई रखने के तरीके बताए गए। बच्चों ने पोस्टर से स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने का संदेश भी दिया। मीना मंच प्रभारी एसएस पाण्डेय ने बताया कि कार्यशाला का मकसद माहवारी से जुड़ी झिझक खत्म करना है। उन्होंने बालिकाओं को सैनिटरी पैड के सही इस्तेमाल और इंसीनरेटर की जानकारी दी। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक दीपक कुमार, शिवकुमार, धीरेन्द्र सिंह, विवेक कुमार और मीना मंच सुगमकर्ता दुर्गेश नंदिनी समेत कई लोग मौजूद रहे।

मेला देखने घर से निकले युवक का पेड़ से लटका मिला शव

सीतापुर,संवाददाता। बुधवार सुबह गुलजारी के बाग में नीम के पेड़ से 23 वर्षीय युवक का शव लटका मिला। मृतक की पहचान सेमरा निवासी अमित उर्फ टीपी पुत्र चाउ के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हलचल मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मामला मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के सेमरा गांव का है। परिजनों के मुताबिक, अमित मंगलवार रात मराठा देवी मंदिर पर मेला देखने गया था। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने गुलजारी के बाग में नीम के पेड़ से उसका शव लटका देखा। इसकी जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान अमित के रूप में की। इसके बाद मृतक के पिता ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद ग्रामीणों से जानकारी जुटाई। अमित अविवाहित था और मजदूरी करके परिवार के भरण–पोषण में मदद करता था।

किसान यूनियन जिलाध्यक्ष समेत 3 नामजद, 400–500 अज्ञात पर एफआईआर

सीतापुर,संवाददाता। मिश्रिख में पाल और गड़रिया समाज को अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग में शामिल करने और जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। तहसील प्रशासन की ओर से नायब नाजिर की तहरीर पर बुधवार दोपहर करीब 4 बजे भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ. अजय पाल समेत तीन नामजद और 400 से 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों पर बैरिकेडिंग तोड़ने, जबरन तहसील परिसर में घुसने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। तहरीर के अनुसार, सोमवार को डॉ. अजय पाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मिश्रिख तहसील पहुंचे थे। आरोप है कि करीब 3 से 4 हजार लोगों की भीड़ ने तहसील परिसर में घुसने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों के रोकने पर धक्का–मुक्की हुई और बैरिकेडिंग तोड़कर प्रदर्शनकारी परिसर में दाखिल हो गए। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी के साथ साउंड सिस्टम पर आपत्तिजनक गाने बजाए गए। गमले, दरवाजे, मेज और कुर्सियां तोड़ने तथा निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप भी लगाए गए हैं। हंगामे के कारण तहसील का कामकाज प्रभावित होने की बात कही गई है। पुलिस ने डॉ. अजय पाल निवासी जारिगवां, धर्मेंद्र धनगर निवासी खूबपुर और अनुराग उर्फ मुलायम निवासी पुरनपुर मजरा बड़रावा को नामजद किया है। इसके अलावा 400 से 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। बुधवार दोपहर मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद डॉ. अजय पाल करीब 100 से 200 समर्थकों के साथ कल्ली चौराहे पहुंचे। यहां उन्होंने आत्मदाह करने और पैदल लखनऊ जाने की बात कही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। इसके बाद डॉ. अजय पाल समेत चार–पांच लोगों को कोतवाली ले जाया गया।

बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर, चालक घायल, बाइक सवार जख्मी

रायबरेली,संवाददाता। महराजगंज–रायबरेली रोड पर बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे थुलवासा बाजार में एक बाइक और ई–रिक्शा की आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में ई–रिक्शा चालक राम भजन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बाइक सवार सिराज भी जख्मी हुए हैं। सोथी गांव के रहने वाले ई–रिक्शा चालक राम भजन अपना रिक्शा मोड़ रहे थे, तभी रायबरेली जा रहे मऊ बाजार निवासी बाइक सवार सिराज से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों घायल वहीं गिर गए। घटना की सूचना मिलने पर थुलवासा चौकी इंचार्ज राहुल मिश्रा और उनकी टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने राम भजन की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत के निर्माण में शिक्षक-स्नातकों की भूमिका अहम: ब्रजेश पाठक

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यूपी का रहेगा महत्वपूर्ण योगदान : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ खंड शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन की तैयारियों के लिए लखनऊ में आयोजित 'शिक्षक व स्नातक मतदाता प्रमुख सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आगामी चुनाव की रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों एवं जनसंपर्क अभियान पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास में शिक्षित वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उत्तर प्रदेश का योगदान निर्णायक रहेगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चुनाव में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजय दिलाकर अपना विश्वास व्यक्त किया था। इस बार भी पार्टी उसी विश्वास और समर्थन की अपेक्षा लेकर मतदाताओं के बीच पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और स्नातक समाज की सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उसकी अहम भूमिका है।

डिप्टी सीएम पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रदेश में विकास, सुशासन और जनकल्याण के विभिन्न प्रयासों के साथ एक नए उत्तर प्रदेश का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस विकास यात्रा में शिक्षकों, स्नातकों और प्रबुद्ध वर्ग की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री ने लखनऊ में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के नेतृत्व में राजधानी में अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को गति मिली है। इन प्रयासों से लखनऊ के बुनियादी ढांचे और विकास को नई दिशा मिली है।

उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी निर्वाचन की तैयारियों को गंभीरता से आगे बढ़ाने, मतदाताओं से निरंतर संवाद स्थापित करने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री ने दोनों भाजपा प्रत्याशियों की विजय सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह, महामंत्री संजय राय, प्रदेश मंत्री अवधेश श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नितिन मित्तल, महानगर अध्यक्ष, आनंद द्विवेदी, महापौर, लखनऊ सुषमा खर्कवाल, क्षेत्रीय महामंत्री एवं संयोजक राजीव मिश्रा, सदस्य, विधान परिषद रामचंद्र प्रधान, प्रत्याशी, लखनऊ खंड शिक्षक एवं सदस्य, विधान परिषद उमेश द्विवेदी, प्रत्याशी, लखनऊ खंड स्नातक एवं सदस्य, विधान परिषद इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हर फरियादी की समस्या का निस्तारण हमारा संकल्प : ब्रजेश पाठक

जनता दर्शन में उपमुख्यमंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं

संवाददाता

लखनऊ। जनता की समस्याओं का समाधान और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनता दर्शन के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों से मुलाकात की। उन्होंने प्रत्येक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मामलों में आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। किसी ने इलाज एवं आर्थिक सहायता की मांग रखी, तो किसी ने पुलिस कार्रवाई, राजस्व प्रकरण, भूमि विवाद और पारिवारिक समस्याओं के समाधान की गुहार लगाई। उपमुख्यमंत्री ने सभी की बात गंभीरता से सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए कहा।

कई मामलों में तत्काल संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर शिकायतों की स्थिति की जानकारी ली और उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने में संवेदनशीलता के साथ–साथ पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। पात्र व्यक्तियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नियमानुसार उपलब्ध कराया जाए तथा जरूरतमंदों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

1 लाख सरकारी नौकरियों में संविदाकर्मियों को भी मौका दें: मायावती

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अगले छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने एनआरएचएम के संविदाकर्मियों को नियमित करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार को नई भर्तियों के साथ उन कर्मचारियों को भी स्थायी नौकरी देने पर विचार करना चाहिए, जो सरकारी विभागों में वर्षों से अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि बसपा सरकारी तंत्र में आउटसोर्सिंग और संविदा के जरिए नियुक्ति की व्यवस्था के खिलाफ है। पार्टी की मांग है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत लंबे समय से लगातार सेवाएं दे रहे सभी संविदाकर्मियों को स्वास्थ्य विभाग में नियमित किया जाए। मायावती ने कहा कि एनआरएचएम के संविदाकर्मी स्थायीकरण समेत अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से लखनऊ में मान्यवर श्री कांशीराम जी ईको गार्डन के पास धरना दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

समान डिग्री और समान वेतन की मांग को लेकर बॉन्डेड डॉक्टर का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में वेतन में असमानता के विरोध में बुधवार को दूसरे दिन भी बॉन्डेड डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। गांधी प्रतिमा के बाहर सड़क पर बैठकर डॉक्टरों ने समान वेतन और लंबे समय से लंबित एरियर के भुगतान की मांग उठाई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने सवाल उठाया कि जब उनकी डिग्री और सेवाएं समान हैं, तो वेतन में अंतर क्यों किया जा रहा है? उन्होंने सभी पात्र डॉक्टरों के लिए समान वेतन व्यवस्था लागू करने और बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उनके वेतन में अंतर किया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित सैंथा पहुंचे नगर विकास मंत्री

लखनऊ,संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बाढ़ राहत कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से आज लखनऊ की मलिहाबाद विधानसभा के अंतर्गत सैंथा ग्रामीण क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का पुनः स्थलीय निरीक्षण किया। नगर निगम के नवविस्तारित क्षेत्र में शामिल सैंथा में उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों, साफ–सफाई तथा प्रभावित नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि जैसे–जैसे बाढ़ का पानी उतर रहा है, वैसे–वैसे मक्खी–मच्छरों के प्रकोप तथा प्रदूषित जल और वायु से मनुष्यों एवं पशुओं में बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए प्रभावित क्षेत्रों में साफ–सफाई, दवा छिड़काव और जलनिकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमारियों की रोकथाम हो सके।निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने ड्रोन तकनीक से किए जा रहे दवा छिड़काव का जायजा लिया और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी आवश्यकता के अनुसार इस तकनीक से दवा छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े कार्यों में पूरी तत्परता बरतने को कहा।

भाजपा में शामिल हुए सपा के 3 बागी विधायक

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के तीन विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले इसे अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।समाजवादी पार्टी के जिन विधायकों ने भाजपा ज्वाइन किया है उनके नाम अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और विनोद चतुर्वेदी शामिल हैं।अमेठी में एक समारोह में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में तीनों विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ली। इस मौके पर यूपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। समाजवादी पीर्टी से भाजपा में शामिल होने वालों में विधायक, गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, विधायक गोसाईंगंज अभय सिंह, विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी शामिल हैं। इस मौके पर यूपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीयत और नीति में खोट है।

घर में आग लगी

बांदा,संवाददाता। जिले के तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र के तंगामऊ गांव में एक घर में अचानक आग लग गई। इसमें करीब एक लाख रुपये का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। गांव के अमित कुटार के कच्चे मकान की अटारी में आग लगी। देखते ही देखते आग फैल गई और घर से धुंआ उठने लगा। मोहल्ले के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने हैंडपंपों से पानी लाकर करीब आधे घंटे तक आग बुझाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य सामान जल चुका था। पीड़ित अमित कुटार के अनुसार, आग से करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पूर्व प्रधान शिवबरन सिंह ने हल्का लेखपाल को घटना की सूचना दी। एसडीएम पैलानी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि लेखपाल की रिपोर्ट आने पर पीड़ित को नियमों के अनुसार आर्थिक सहायता मिलेगी।

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन भक्तिमय माहौल में गूंजे जयकारे

बांदा,संवाददाता। जसपुरा कस्बे के हरदेव राजा स्थान पर शारदीय नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा की आरती हुई। इसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से हिस्सा लिया। मुख्य यजमान बिंदा विश्वकर्मा ने आरती कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। आरती के दौरान पूरा इलाका मां दुर्गा के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। नवरात्रि को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना हुआ है। रोजाना होने वाली पूजा और आरती में श्रद्धालु उत्साह से शामिल हो रहे हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का खास महत्व है। लोग व्रत और पूजा के जरिए मां की आराधना कर रहे हैं।

मिशन शक्ति : 4 छात्राओं ने संभाला मध्याह्न भोजन प्राधिकरण में नेतृत्वकारी दायित्व

मुस्कान, सरिता, साक्षी और राधिका बनीं एक दिन की निदेशक

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने का कौशल और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समझ विकसित करने के क्रम में बुधवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय काकोरी की चार छात्राओं ने मध्याह्न भोजन प्राधिकरण पहुंचकर शीर्ष प्रशासनिक दायित्वों का सांकेतिक निर्वहन किया। इस अवसर पर मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें प्रशासनिक व्यवस्थाओं व नीतिगत निर्णयों की बारीकियों से अवगत कराया। सांकेतिक पदभार ग्रहण कार्यक्रम के तहत केजीबीवी काकोरी की छात्रा मुस्कान, सरिता, साक्षी और राधिका ने निदेशक की आसंदी संभालते हुए एक कुशल प्रशासक की भांति विभागीय कार्यकलापों की गहन समीक्षा की। चारों छात्राओं ने प्रदेश के सभी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण शासकीय आदेश भी जारी किया। अपने आदेश में उन्होंने निर्देशित किया कि प्रदेश के समस्त परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के किचन शेड में स्वच्छता के उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जाएं, बच्चों को प्रचुर पोषक तत्वों से युक्त ताजा व संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जाए और खाना पकाने वाली रसोइयों को समय–समय पर स्वच्छता एवं पोषण प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

छात्राओं ने एमडीएम व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। उन्होंने विद्यालयों में छात्र संख्या के अनुरूप पर्याप्त भोजन तैयार करने, मेन्यू में पोषक तत्वों की प्रचुरता बनाए रखने, आधुनिक किचन व्यवस्था के विस्तार तथा आवश्यकता पड़ने पर अस्वस्थ बच्चों को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने चारों छात्राओं के आत्मविश्वास, प्रशासनिक सोच और नेतृत्व क्षमता की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान पूरे प्रदेश में जन–आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसका मुख्य उद्देश्य बेटियों को आगे बढ़ाकर उनमें निर्णय लेने और समाज को दिशा देने की क्षमता का विकास करना है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही ऐसा व्यावहारिक व प्रशासनिक मंच मिलने से छात्राओं में राष्ट्र निर्माण और भविष्य में उच्च प्रशासनिक पदों पर पहुंचकर जनसेवा करने की प्रेरणा मिलती है।निदेशक सिंह ने बताया कि नन्हीं निदेशकों द्वारा जारी स्वच्छता व पोषण संबंधी आदेश का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

चार छात्राएं बनीं एक दिन की निदेशक

लखनऊ,संवाददाता। अब प्रदेश के स्कूलों में मिड–डे मील के किचन की सफाई और बच्चों को पौष्टिक भोजन देने की जिम्मेदारी पर बेटियों की नजर रहेगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, काकोरी की चार छात्राओं ने बुधवार को मध्याह्न भोजन प्राधिकरण में एक दिन की निदेशक बनकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। छात्राओं ने प्रदेश के सभी परिषदीय और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के किचन में विशेष सफाई अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसके तहत गुरुवार से प्रदेशभर के स्कूलों में विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। छात्राएं मुस्कान, सरिता, साक्षी और राधिका ने निदेशक की कुर्सी संभालकर प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझा। उन्होंने स्कूलों में बच्चों को ताजा, संतुलित और पौष्टिक भोजन देने के साथ किचन शेड में स्वच्छता के मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाना बनाने वाली रसोइयों को समय–समय पर स्वच्छता और पोषण प्रबंधन का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। एक दिन की निदेशक बनीं छात्राओं ने मध्याह्न भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों की संख्या के हिसाब से पर्याप्त भोजन तैयार किया जाए।

मिड–डे मील के मेन्यू में पोषक तत्वों का ध्यान रखा जाए और आधुनिक किचन व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर अस्वस्थ बच्चों को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने छात्राओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य बेटियों की निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना और उन्हें भविष्य में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार करना है।

पशुधन विभाग में भर्ती घोटाले मामले में रिटायर्ड प्रमुख सचिव गिरफ्तार

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार सुबह ईओडब्ल्यू ने उन्हें गोमती नगर स्थित घर से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई 12 साले पुराने पशुधन विभाग भर्ती घोटाले में की गई है। 2014 में सपा सरकार के दौरान पशुधन विभाग में 1198 पशुधन प्रसार अधिकारी पदों पर भर्ती हुई थी। उस वक्त योगेश कुमार विभाग में प्रमुख सचिव थे। इसके बाद वे रिटायर हो गए। भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे। जांच में पता चला कि भर्ती में ब्लैंक शीट की जांच एक ही जगह कराई गई, जिससे नंबरों में हेरफेर किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, योगेश कुमार ने गलत तरीके से भर्ती के लिए नियमों में फेरबदल किया। उन्होंने मंडल यानी कमिश्नर को मिलने वाले अधिकार को खत्म कर दिया। डीजी ईओडब्ल्यू जय नारायण सिंह ने कहा पशुधन भर्ती घोटाले में योगेश कुमार के खिलाफ सबूत मिले हैं।

वह जांच में दोषी पाए गए हैं। इसलिए, उनकी गिरफ्तारी की गई। योगेश कुमार की गिरफ्तारी यूपी में ब्यूरोक्रेट्स में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। इससे पहले 2007 यानी 19 साल पहले मायावती सरकार में मुख्य सचिव रह चुके अखंड प्रताप सिंह को सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया था। 2023 में उनका निधन हो गया था। सहारनपुर को छोड़कर प्रदेश के 17 मंडलों में 1198 पदों पर पशुधन प्रसार अधिकारी की भर्ती हुई थी। परीक्षा 2 फरवरी 2014 को हुई। इसमें 1005 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। उन्हें ट्रेनिंग दी गई। जॉइन करवाया गया। भर्ती के बाद 34 अभ्यर्थियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर कीं। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू में गड़बड़ी के आरोप लगाए। लिखित परीक्षा के लिए 80 और इंटरव्यू के लिए 20 नंबर तय थे। आरोप था कि इंटरव्यू में दिए गए नंबरों के जरिए कुछ अपात्र अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया गया। भर्ती नियमों का उल्लंघन किया गया। हाईकोर्ट के आदेश पर 17 दिसंबर 2017 को जांच एसआईटी को सौंपी गई। 2018 में एसआईटी ने जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंपी। रिपोर्ट में कई अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई। 2019 में तत्कालीन निदेशक रहे चरण सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया। 29 जुलाई 2021 को 28 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जांच एजेंसियों ने भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों और परीक्षा कराने वाली संस्था की भूमिका की भी जांच की गई। मामले में तत्कालीन पशुधन विकास मंत्री राजकिशोर सिंह की भूमिका भी जांच के दायरे में आई थी। हालांकि, फिलहाल भर्ती निरस्त नहीं की गई, जिन लोगों की जॉइनिंग कराई गई, वे आज भी नौकरी कर रहे हैं।

डीजी ईओडब्ल्यू जय नारायण सिंह ने बताया कि परीक्षा के बाद नियुक्तियां मंडल स्तर पर होनी थी, लेकिन सारी ओएमआर शीट मुख्यालय मंगा ली गई। यहीं पर शीट में खेल किया गया। पात्र अभ्यर्थियों को नुकसान और अपात्र अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया गया। मंडलीय चयन समितियों के अधिकारों को खत्म कर रायबरेली के जिस फिरोज गांधी इंस्टिट्यूट को ओएमआर शीट जांचने की जिम्मेदारी दी गई उसे इसका कोई अनुभव नहीं था।

7 आईएएस अधिकारियों के तबादले धीरेंद्र सिंह सचान बने निदेशक पंचायती राज

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए शासन ने सात आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल में धीरेंद्र सिंह सचान को निदेशक पंचायती राज बनाया गया है, जबकि

आजमगढ़ और आगरा में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) समेत अन्य पदों पर भी बदलाव किया गया है। शासन की ओर से जारी सूची के अनुसार, विशेष सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पद पर तैनात धीरेंद्र सिंह सचान को निदेशक, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश नियुक्त किया गया है। वहीं, आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल को विशेष सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मुजफ्फरनगर के मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण को आजमगढ़ का सीडीओ बनाया गया है। आगरा मंडल के अपर आयुक्त राजेश कुमार को विशेष सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आगरा के सीडीओ पद पर तैनात प्रतिभा सिंह को अपर आयुक्त, आगरा मंडल बनाया गया है। कानपुर देहात में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पद पर तैनात अमित कुमार को मुख्य विकास अधिकारी, आगरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं राजस्व परिषद, प्रयागराज में सदस्य (न्यायिक) के पद पर तैनात देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा को प्रतीक्षारत रखा गया है।

यूपी चुनाव से पहले राजनीतिक यू–टर्न!

साइकिल पर सवार हो सकते कांग्रेस के दिग्गज

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों चौंकाने वाला सवाल गलियारों में तैर रहा है। क्या आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में कुछ कांग्रेस नेता अपनी पार्टी के पारंपरिक हाथ के निशान का साथ छोड़कर समाजवादी पार्टी की साइकिल पर चुनाव लड़ते हुए नजर आएंगे? सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर सामने आई हालिया रिपोर्ट ने सूबे की सियासत में हलचल तेज कर दी है। चर्चा है कि विपक्षी गठबंधन के भीतर कांग्रेस के कुछ मजबूत दावेदारों को समायोजित करने के लिए उन्हें समाजवादी पार्टी के टिकट पर मैदान में उतारने का एक नया रास्ता निकाला जा सकता है। दोनों प्रमुख दलों की तरफ से अभी तक सीटों और उम्मीदवारों को लेकर किसी भी तरह का अंतिम और आधिकारिक ऐलान

नहीं किया गया है।सूत्रों की माने तो सपा और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग का एक अनूठा फॉर्मूला तैयार हो रहा है। कांग्रेस के कई ऐसे दावेदार जो लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं उन्हें सपा के टिकट पर चुनाव लड़ाया जा सकता है।इस संभावित राजनीतिक व्यवस्था के पीछे केवल सीटों की संख्या का ही नहीं, बल्कि योग्य उम्मीदवारों के चयन का बड़ा सवाल है। कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के ऐसे नेता हैं जो जमीनी स्तर पर डटे हुए हैं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी भी अपने मजबूत दावेदारों की अनदेखी नहीं करना चाहती। कांग्रेस पृष्ठभूमि वाले कुछ नेताओं को सपा अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाए। यह केवल चुनाव चिह्न बदलने का मामला नहीं होगा। इसके तहत उम्मीदवार को सपा का आधिकारिक टिकट मिलना होगा और चुनाव आयोग के सभी नियमों के मुताबिक अपना नामांकन दाखिल करना होगा। गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीटों का सटीक बंटवारा करने की है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने यह बयान दिया था कि पार्टी 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। वहीं दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी भी आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी प्रमुख और बड़ी भूमिका बनाए रखना पूरी तरह से चाहती है। यही वजह है कि सीटों की कुल संख्या और खास क्षेत्रों के चयन को लेकर आपसी बातचीत बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। अखिलेश यादव और राहुल गांधी के एक बार फिर साथ आने के पीछे सबसे बड़ी राजनीतिक वजह साल 2024 का लोकसभा चुनाव है। उस आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस पार्टी ने 6 सीटें पर शानदार जीत दर्ज की थी। इस तरह दोनों दलों के गठबंधन को 43 सीटें हासिल हुई थीं। विधानसभा चुनाव का पूरा गणित लोकसभा चुनाव से काफी अलग होता है।

मंत्री जयवीर सिंह ने कालीबाड़ी मंदिर पहुंचकर मां काली के दर्शन किये

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन लखनऊ के कालीबाड़ी मंदिर पहुंचकर मां काली के दर्शन किए और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। उन्होंने प्रदेश और देश की खुशहाली के साथ विश्व कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कालीबाड़ी मंदिर आस्था का बड़ा सिद्ध स्थल है। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्यटन अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने का काम किया जा रहा है। उपलब्ध भूमि के अनुसार दो चरणों में परियोजना तैयार की गई थी, जिसमें एक परियोजना का काम अभी चल रहा है। मंत्री ने बताया कि मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रफ्तार को लेकर प्रबंध समिति के सदस्यों और पुजारियों ने भी संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था केंद्रों पर पर्यटन सुविधाएं विकसित करने के लिए काम कर रही है। मां काली से प्रार्थना है कि सभी पर उनकी कृपा बनी रहे, देश आगे बढ़े और भारत एक बार फिर विश्वगुरु बने। नवरात्र और दशहरा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के सवाल पर जयवीर सिंह ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में धार्मिक आयोजन और त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब किसी में दंगा या उपद्रव करने का दुस्साहस नहीं है। यदि कोई ऐसा करता है तो प्रशासन उसके खिलाफ कार्रवाई करता है। मंत्री ने पिछली सरकारों के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय आए दिन दंगे और उपद्रव होते थे।

संपादकीय

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या बताती है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुखर होने वाले जिम्मेदार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन–प्रशासन को गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टैबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सरेआम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना बताती है कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी परेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मृतक के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबंधित कैप्सूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन परविंदर सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में घुमाया था। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बठिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की भी हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई? क्या पहले भी ऐसी धमकियां दी गई थीं? पुलिस को यह भी बताना चाहिए कि पिछली शिकायत पर क्या कोई ठोस कार्रवाई हुई थी? क्या प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री के मामले मे संबंधित विभागों व पुलिस द्वारा ठीक से जांच की गई थी? क्या ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने दुकान में प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी की पड़ताल की थी? वक्त की जरूरत है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की वरिष्ठ पुलिस–प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का नतीजा ठोस कार्रवाई के रूप में निकलना चाहिए। सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलने वाला। वास्तव में समय रहते गैर–कानूनी दवा बिक्री की शिकायतों की जांच होनी चाहिए।

पीछे छूटा लोकतांत्रिक दर्शन सजा प्रदर्शन का बाजार

हमें उन देशों की जनता पर तरस आता है, जिन्हें तानाशाही का आरोप लगाकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सड़कों पर उत्पात मचाने का लोकतांत्रिक आनंद नहीं मिल पाता! धरना और प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती होते हैं। सरकार विरोधी नारेबाजी से लेकर हो–हल्ला और हुड़दंग तक का लोकतांत्रिक सौंदर्य सिर्फ उदार लोकतांत्रिक देशों में ही देखने को मिलता है। रूस, चीन जैसे सख्त शासक वाले विकसित देशों अथवा उत्तर कोरिया और ईरान जैसे तानाशाही शासन वाले राष्ट्रों की जनता इस प्रदर्शन–दर्शन के अनेक सुखों से वंचित रह जाती है। हमें उन देशों की जनता पर तरस आता है, जिन्हें तानाशाही का आरोप लगाकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सड़कों पर उत्पात मचाने का लोकतांत्रिक आनंद नहीं मिल पाता! वैसे भी, प्रेम और प्रदर्शन का असली आनंद वही ले सकता है, जो इसमें प्रत्यक्ष रूप से शामिल हो। चीन और अन्य देशों के नागरिक इस लोकतांत्रिक खूबसूरती का अनुभव भले ही समाचार चौनलों के माध्यम से कर लें, लेकिन टीवी पर प्रदर्शन देखना और स्वयं नारे लगाना दो अलग–अलग अनुभूतियां हैं। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपशब्दों के अलंकार से अलंकृत किया जाता है। कभी–कभी तो तख्तापलट तक की नौबत आ जाती है। हमारे पड़ोस में 1947 में बने एक मुल्क में सत्ता परिवर्तन के खेल में सेना की भूमिका अक्सर चर्चा में रहती है, जबकि कुछ अन्य पड़ोसी देशों में जनता के आंदोलनों ने भी सत्ता की चूलें हिलाई हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यह है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कोई भी व्यक्ति कुछ भी बोल सकता है। तर्क हों या कुतर्क, माइक हाथ में आते ही साधारण व्यक्ति भी स्वयं को क्रांतिकारी विचारक समझने लगता है। विरोध प्रदर्शन में सरकार या सामने वाले को तानाशाह सिद्ध करने के लिए शब्दों की ऐसी आतिशबाजी होती है कि असली मुद्दा धुएं में खो जाता है।

इन दिनों हमारे देश में भी धरना–प्रदर्शन का बिग बिलियन डे और ग्रेट इंडियन फेस्टिवल संयुक्त रूप से चल रहा है। कहीं नारों की सेल लगी है, तो कहीं आरोपों की बंपर छूट। कुछ प्रदर्शनकारी मूल मुद्दों से भटककर धर्म और राष्ट्र के नाम पर नारेबाजी करते हैं। यूट्यूबर और रीलबाज कैमरे के सामने क्रांति का ऐसा रंग जमाते हैं कि आंदोलन और मनोरंजन के बीच का अंतर मिटने लगता है।

पहाड़ रो नहीं सकते इसलिए दरकते हैं

यह बहस बिजली बनाम पर्यावरण की नहीं, इस सवाल की है कि हम किसकी कीमत पर किसकी रोशनी चाहते हैं। बिजली देश की जरूरत है, पर पहाड़ के खघली होते गांव उसकी कधीमत नहीं हो सकते। सतलुज किनारे बसे उरनी गांव में एक स्थानीय निवासी अपने घर की दीवार पर पड़ी दरार को उंगली से छूता है, जैसे कोई बुजुर्ग अपने बच्चे का घाव सहलाता हो। गांव के नीचे से करछम वांगतू परियोजना की सुरंगें गुजरती हैं, और उस व्यक्ति की शिकायत मुआवजे से ज़्यादा इस बात की है कि सुरंग बिछाने से पहले किसी ने उनसे पूछा तक नहीं। दरार देखने में छोटी है, पर उसमें एक पूरे समाज की अनसुनी पीड़ा दर्ज है।

यहीं विकास की हमारी परिभाषा कठघरे में खड़ी होती है। बिजली को प्रगति का पर्याय मान लिया और पहाड़ को ऐसा संसाधन, जिससे ऊर्जा निचोड़ी जा सके। जबकि पहाड़ किसी के लिए संसाधन है तो किसी के लिए घर, देवता और स्मृति। किन्नौर में सतलुज, बास्पा और स्पीति की घाटियां दुनिया के सबसे नाजुक भूभागों में गिनी जाती हैं। वहीं नाथपा–झाकड़ी जैसी डेढ़ हजार मेगावाट की परियोजना की मुख्य सुरंग लगभग सत्ताईस किलोमीटर लंबी है। करछम वांगतू, बास्पा–दो, कशांग और शोंगटोंग–करछम जैसी परियोजनाओं के साथ दर्जनों और प्रस्तावित हैं। हर परियोजना नदी को सुरंग में मोड़ती है और पहाड़ के भीतर किलोमीटरों लंबा खोखलापन छोड़ जाती है। एक सुरंग का बोझ पहाड़ शायद सह ले, पर जब एक ही घाटी में सुरंगों की कध्तार लग जाए, तो उनका सामूहिक असर किसी एक परियोजना की रिपोर्ट में दर्ज नहीं होता। हमारे नियोजन की सबसे बड़ी वैचारिक चूक यही है कि हम पेड़ गिनते हैं और जंगल को नहीं देखते।

इस चूक की पहली कधीमत पानी चुका रहा है, और पहाड़ में पानी का मतलब सिर्फ प्यास नहीं होता। वह बुजुर्गों की बनाई परंपरा है, खेत की सांस है, सेब के बगीचों का भविष्य है और मवेशियों की जिंदगी है। पहाड़ के गांव नलकों से नहीं, प्राकृतिक स्रोतों से जीते हैं। सुरंग खोदते समय चट्टानों की जल–धाराएं कट जाती हैं और भूजल सुरंग में रिसकर बह जाता है। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल ने करछम वांगतू के असर में आए चोलिंग, यूला, उरनी, रुन्नाग, मीरू और चुगांव जैसे गांवों में स्रोतों के सूखने

और जमीन की नमी घटने को दर्ज किया है। भूस्खलन की तस्वीरें अखघ्बारों में छपती हैं, पर सूखता हुआ झरना किसी सुर्खघी में नहीं आता। जहां पानी जाता है, वहां खेती जाती है, फिर रोजगार जाता है और अंत में लोग जाते हैं। इसी धीमी प्रक्रिया से आशंका है कि आने वाले दशकों में किन्नौर के गांवों से पलायन की लहर उठे।

दीवारों की दरारें इसी कहानी का दूसरा अध्याय हैं। सुरंग के लिए होने वाली ब्लास्टिंग के कंपन घरों की नींव हिला देते हैं। निगुलसरी और झाकड़ी में मई, 2014 में दर्ज हुई दरारें, यूला का फटा हुआ मकान और चुगांव की गौशाला की दीवारें, सब इसी सिलसिले की कड़ियां हैं। किन्नौर संविधान की पांचवीं अनुसूची का क्षेत्र है, जहां ग्राम सभा की भूमिका निर्णायक मानी गई है, फिर भी सुरंगें गांवों के नीचे से निकलती रहीं और लोगों को पता तब चला, जब उनके घर चटकने लगे। वर्ष 2021 ने इस चेतावनी को और साफ कर दिया। जुलाई में बास्पा घाटी के बटसेरी में पत्थर गिरने से नौ पर्यटकों की मौत हुई। अगस्त में राष्ट्रीय राजमार्ग–5 पर निगुलसरी में पहाड़ ऐसा दरका कि बस समेत कई वाहन मलबे में दब गए और कध्रीब अट्ठाईस लोग नहीं लौटे। इसके बाद 'नो मीन्स नो' अभियान तेज हुआ और किन्नौर तथा लाहौल–स्पीति के कई गांव उससे जुड़े। स्थानीय लोगों का अनुभव यह है कि चट्टानों के गिरने और भूस्खलन की घटनाएं उन्हीं इलाकधें में बढ़ी हैं, जहां बांध, पावरहाउस या सुरंगें बनी हैं। हिमधारा कलेक्टिव के 2012 से 2016 के अध्ययन के अनुसार, 1980 से 2014 के बीच किन्नौर में गैर–वन कार्यों के लिए डायवर्ट हुई वन भूमि का लगभग नब्बे प्रतिशत हिस्सा जलविद्युत परियोजनाओं और ट्रांसमिशन लाइनों के हिस्से में गया। जंगल ढलानों को थामने वाली अदृश्य बांहें होते हैं। ऊपर से नदियों में फेंका गया मलबा बाढ़ की ताकध्त को कई गुना कर देता है। किन्नौर ऊंचे भूकंपीय जोखिम वाला क्षेत्र है और 1975 का भूकंप आज भी याद दिलाता है। उधर ग्लेशियर पिघल रहे हैं, बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। वर्ष 2023 के मानसून ने पूरे हिमाचल में हजारों करोड़ रुपये का नुकध्सान दिखाया। मौजूदा रफ्तार नहीं बदली तो ऐसे संकट बार–बार लौटेंगे और हर बार पहले से भारी होंगे।

अब सवाल पूछने का वकध्त है। हरपरियोजना का आकलन अलग–अलग क्यों होता है, जबकि पहाड़ एक ही है? किसी घाटी की धारण क्षमता और सभी परियोजनाओं के सामूहिक असर का अध्ययन कहां है? जिस मलबे का निपटारा नदी किनारे कर दिया गया, उसका हिसाब कौन देगा? जिन गांवों के स्रोत सूख गए, उन्हें स्थायी पेयजल देने की जिम्मेदारी किसकी है? इन सवालों के जवाब कोई एक दफ्तर नहीं, पूरी व्यवस्था की नीयत देगी।

नई परियोजनाओं के लिए ग्राम सभा की पूर्व और सूचित सहमति को अनिवार्य शर्त बनाना होगा। पूरी सतलुज घाटी की धारण क्षमता और सामूहिक प्रभाव का अध्ययन होना चाहिए।

राहुल गांधी ने हिंदू भावनाओं को पहुँचाई ठेस!

नीरज कुमार

हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के मार्च के दौरान कहा था कि यह शिव की बारात है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है।

भले ही राहुल गांधी ने 12 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में अपने राजनीतिक मार्च को 'शिव बारात' कहकर केवल एक उपमा दी हो, लेकिन सवाल यह है कि क्या भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र धार्मिक प्रसंग को राजनीतिक विरोध–प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना उचित था? जिस बारात का संबंध देवाधि ादेव महादेव और माता पार्वती के दिव्य विवाह से है, उसे एक राजनीतिक आंदोलन का नाम देते समय क्या उसकी धार्मिक गरिमा और करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का ध्यान नहीं रखा जाना चाहिए था?

हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के मार्च के दौरान कहा था कि यह शिव की बारात है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। उन्होंने आंदोलन की तुलना भगवान शिव के तांडव से भी की थी। उनका आशय आंदोलन को स्वतःस्फूर्त और सबके लिए खुला बताना था। लेकिन इसी बयान ने धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल पर विवाद खड़ा कर दिया है। विश्व हिंदू परिषद ने उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए सार्वजनिक माफी की माँग की है। देखा जाये तो यहाँ सवाल केवल एक उपमा का नहीं, बल्कि उस ६ ार्मिक प्रतीक के अर्थ का है जिसे भारतीय समाज में विशेष श्रद्धा के साथ देखा जाता है। राहुल गांधी को शायद पता नहीं कि शिव बारात कोई सामान्य जुलूस नहीं है। शिवपुराण की रुद्रसंहिता के पार्वतीखंड में भगवान शिव की विवाह–यात्रा का विस्तृत वर्णन मिलता है। अध्याय 40 में शिव की बारात का प्रसंग है। इसके बाद विवाह की तैयारियों, शिव के हिमालय पहुँचने और विवाह–संस्कार का वर्णन आगे के अध्यायों में आता है। अध्याय 48 में पुरोहितों द्वारा तिथि आदि बताए जाने और शुभ समय आने के बाद विवाह–संस्कार प्रारंभ होने का उल्लेख है।

शिव बारात का धार्मिक महत्त्व इसी दिव्य विवाह से जुड़ा है। इसमें शिवगणों, नंदी, देवताओं और ऋषियों की सहभागिता का वर्णन मिलता

है। लोकपरंपरा में भूत–प्रेत और विचित्र रूप वाले गणों के चित्रण ने इस बारात को एक विशिष्ट पहचान दी है। यह शिव के उस स्वरूप की याद दिलाता है जो बाहरी रूप, वैभव और सामाजिक प्रतिष्ठा की सीमाओं से परे है। इसीलिए शिव बारात को केवल लोगों की भीड़, नारेबाजी या किसी राजनीतिक आंदोलन के लिए सुविधाजनक उपमा मान लेना श्रद्धालुओं को असहज कर सकता है। धार्मिक प्रतीक की अपनी गरिमा होती है और उसका इस्तेमाल किस संदर्भ में किया जा रहा है, यह महत्त्वपूर्ण है।

साथ ही यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या शिव बारात किसी भी दिन निकल सकती है? देखा जाये तो हिंदू धर्म में ६ ार्मिक पर्व, विवाह–संस्कार और शोभायात्रा के अपने अलग–अलग नियम और परंपराएँ हैं। महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का सबसे प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर देशभर में शिव बारात निकाली जाती है और शिव–पार्वती विवाह की झाँकियाँ सजाई जाती हैं। वहीं, शास्त्रोक्त विवाह–संस्कार में तिथि, पंचांग और शुभ मुहूर्त का विशेष महत्त्व होता है। शिवपुराण में भी शिव–पार्वती विवाह के प्रसंग में तिथि और शुभ समय का उल्लेख मिलता है। साथ ही परम्परागत रूप से शिव बारात महाशिवरात्रि के दिन ही निकाली जाती है और देश में शायद ही किसी अन्य दिवसों पर शिव बारात का आयोजन होता हो। सामान्य धार्मिक शोभायात्रा किसी स्थानीय उत्सव या मंदिर की परंपरा के अनुसार अन्य अवसरों पर भी निकाली जा सकती है। इसके विपरीत, यदि आयोजन को विधिवत शिव–विवाह या किसी विशिष्ट पर्व का शास्त्रोक्त अनुष्ठान बताया जा रहा है, तो संबंधित तिथि, पूजा–विधान, मुहूर्त और परंपरा का पालन अपेक्षित है।

साथ ही राहुल गांधी को यह भी समझना चाहिए कि भगवान शिव की बारात में धक्के मारने या कोहनी से दूसरों को मारने या किसी को कॉलर पकड़ कर पीछे धकेलने की कोई परम्परा नहीं है। शिव बारात में भक्ति, श्रद्धा और उत्सव का भाव होता है, न कि किसी को धक्का देने या कोहनी मारकर आगे बढ़ने का। भले ही राहुल गांधी की उपमा का उद्देश्य अपने राजनीतिक मार्च को सबके लिए खुला बताना रहा हो, लेकिन सवाल यह है कि इसके लिए भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र प्रसंग को ही क्यों चुना गया? क्या एक राजनीतिक आंदोलन में शामिल भीड़ की तुलना शिव बारात से करना उचित था? और क्या ऐसी तुलना शिव बारात की ६ ार्मिक छवि को एक अनियंत्रित भीड़ के रूप में प्रस्तुत नहीं करती? बहरहाल, राहुल गांधी के इस बयान ने धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल और सनातन परंपराओं के प्रति संवेदनशीलता को लेकर एक गंभीर बहस छेड़ दी है। देखा जाये तो लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन उस विरोध को व्यक्त करने के लिए करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल करते समय उनकी गरिमा का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है।

ज्ञान के समुद्र को सूखने मत दीजिए

अरुण कुमार डनायक

1911 में सम्राट जॉर्ज पंचम द्वारा ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा के साथ 1891 में स्थापित इम्पीरियल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी भी दिल्ली लाई गई। पहले इसे सिविल लाइंस स्थित ओल्ड सेक्रेटेरिएट भवन, फिर नॉर्थ ब्लॉक और अंततरू 1969 में शास्त्री भवन में स्थान मिला। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय यानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के नाम से पहचानी जाने वाली लगभग 135 वर्ष पुरानी यह संस्था आज फिर विस्थापन के संकट में है। सवाल केवल 8.5 लाख से अधि ाक पुस्तकों को रखने की जगह का नहीं, बल्कि इस ज्ञान–संग्रह के संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक इसकी पहुंच के प्रति हमारे सरोकार का भी है। इसी प्रश्न को तुलसी सदन पुस्तकालय की कहानी और व्यापक बनाती है। रामचरितमानस के 400 वर्ष पूरे होने पर 1972 में स्थापित इस पुस्तकालय में 14 भारतीय भाषाओं की पुस्तकें थीं। दिल्ली मेट्रो निर्माण के कारण 2011 में इसे अस्थायी रूप से बंद किया गया, लेकिन डेढ़ दशक बीतने को है और दो लाख से अधि ाक पुस्तकें अब भी डिब्बों में बंद हैं, पाठकों और शोधकर्ताओं की पहुंच से दूर। एक ओर केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय पर्याप्त स्थान की तलाश में है, दूसरी ओर तुलसी सदन की दो लाख से अधिक पुस्तकें वर्षों से पाठकों की पहुंच से दूर हैं। दोनों स्थितियां अलग होते हुए भी एक ही सवाल उठाती हैंकृक्या हमारी विकास–यात्रा में ज्ञान की विरासत के लिए पर्याप्त जगह बची है? पुस्तकालय आखिर होते क्या हैं? क्या वे केवल अलमारियों में रखी पुस्तकों का समूह हैं? नहीं। वे किसी सभ्यता की स्मृति होते हैं। किसी समाज ने क्या सोचा, किन प्रश्नों से जूझा और विज्ञान, दर्शन, धर्म, साहित्य, चिकित्सा तथा शासन के बारे में क्या समझ विकसित कीकृइन सबका प्रमाण पुस्तकों और अभिलेखों में मिलता है। इसलिए किसी पुस्तक का नष्ट होना केवल एक वस्तु का नष्ट होना नहीं हैय उसके साथ अतीत को समझने का एक रास्ता भी बंद हो जाता है।

नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के विनाश की ऐतिहासिक स्मृति हमें चेताती है कि ज्ञान की धरोहर का नष्ट होना केवल पुस्तकों का नष्ट होना नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति को क्षति पहुंचाना भी है। इतिहास के ऐसे प्रसंगों से सबक लेते हुए हमें समझना होगा कि पुस्तकालयों का संरक्षण केवल अतीत को सहेजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और विचारों के रास्ते खुले रखना भी है। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की स्थिति इसी कारण चिंताजनक है। शास्त्री भवन में लगभग 5,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में चार मंजिलों पर फैले इस पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकें, पुराने दस्तावेज, सरकारी रिकॉर्ड और राजपत्र हैं। इसके दुर्लभ पुस्तक अनुभाग की सबसे पुरानी पुस्तक एक फ्रांसीसी यात्री के लेखों का संकलन है, जो 1702 का बताया जाता है। भारत सरकार के प्रकाशनों के महत्वपूर्ण भंडार के रूप में काम करने वाले इस पुस्तकालय का उपयोग सरकारी

अधिकारियों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों द्वारा भी किया जाता है। इतने समृद्ध ऐतिहासिक संग्रह को केवल स्थानांतरण की प्रशासनिक समस्या मानना उसकी वास्तविक महत्ता को कम करके आंकना होगा। केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता केवल पुस्तकों को रखने के लिए नहीं है। संग्रह के संरक्षण, पाठकों और शोधकर्ताओं की सुविधा तथा पुस्तकालय की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी उपयुक्त स्थान चाहिए। अब इस मामले ने सर्वोच्च न्यायालय का भी ध्यान खींचा है। न्यायालय ने 135 वर्ष पुराने पुस्तकालय के पुनर्वास का स्वतरू संज्ञान लिया। कर्तव्य भवन–02 के भूतल पर दो कमरों का प्रस्ताव संपदा निदेशालय ने जनवरी में दिया था, जिसे संस्कृति मंत्रालय ने अपर्याप्त बताया था। अब आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य पथ पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय के लिए स्थान निर्धारित किए जाने और निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी है। अंतिम कसौटी यही होगी कि यह स्थान पुस्तकालय के संग्रह, संरक्षण और पाठक सुवि ाा की जरूरतें पूरी करता है या नहीं। पुस्तकालय का जीवन उसके पाठकों से है। दुर्लभ पुस्तकें यदि गोदामों में बंद रहें और शोध ाकर्ता उन तक न पहुंच सकें तो संरक्षण अधूरा है। केवल डिजिटलीकरण भी इसका विकल्प नहीं, क्योंकि मूल पुस्तक की भौतिक विशेषताएं और ऐतिहासिक संकेत डिजिटल प्रति में पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहते। इसलिए प्रशिक्षित अभिलेखपाल, वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और सबसे बढ़कर पाठकों–शोधकर्ताओं के लिए सहज पहुंचकृइन सभी को समान महत्व देना होगा। ज्ञान को सुरक्षित रखकर भी यदि उसे लोगों तक पहुंचने से रोक दिया जाए तो वह जीवित परंपरा नहीं रह जाता। यहां प्रश्न केवल विकास बनाम विरासत का नहीं है। असली प्रश्न यह है कि विकास की परिभाषा में ज्ञान और स्मृति के लिए कितनी जगह है। क्या आधुनिक भवनों के साथ हमारे पुराने ज्ञान–भंडार भी सुरक्षित रहेंगे, या पुस्तकालय विकास की दौड़ में पीछे छूट जाएंगे? और इससे भी बड़ा प्रश्न हैकृक्या हम उस ज्ञान–समुद्र को सूखने दे रहे हैं, जिससे समाज की ज्ञान–धारा निकलती है? किसी समाज की शक्ति उसके आधुनिक भवनों और डिजिटल साधनों के साथ–साथ इस बात से भी तय होती है कि वह अपने ज्ञान–संग्रह को कितना सुरक्षित रखता है। पुस्तकालयों का महत्व इसलिए लोकतंत्र के बुनियादी चरित्र से जुड़ा है। वे पाठकों को विविध विचारों, इतिहास की अलग–अलग व्याख्याओं और परस्पर विरोधी मतों से परिचित कराते हैं। इससे समाज किसी एक आख्यान या सत्ता–केंद्रित दृष्टि पर निर्भर रहने के बजाय प्रश्न करने, विचारों की तुलना करने और अपने निष्कर्ष स्वयं बनाने की क्षमता विकसित करता है। भारत के सामने आज अवसर है कि वह अपनी पुस्तकालय नीति को केवल भवन, बजट और पुस्तकों की संख्या तक सीमित न रखे। लखनऊ का मुंशी नवल किशोर प्रेस, रामपुर रजा पुस्तकालय, तुलसी सदन, केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय और नगर निगम स्तर के पुस्तकालय हमारी ज्ञान–धरोहर की विविध परतों को सुरक्षित रखते हैं। इन्हें भी उतनी ही गंभीरता से संरक्षित किया जाना चाहिए, जितनी गंभीरता से हम अपने स्थापत्य स्मारकों की रक्षा करते हैं। आवश्यकता केवल केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय को पर्याप्त जगह देने या तुलसी सदन की पेटियां खोलने की नहीं, बल्कि ऐसी संस्कृति विकसित करने की है जिसमें पुस्तकालय खर्च नहीं, ज्ञान में निवेश हौंय दुर्लभ पुस्तकें पुराना कागज नहीं, सामूहिक स्मृति हौंय और पाठक ज्ञान–संपदा का स्वाभाविक अधिकारी हो।

भारत को पुस्तकालयों के संरक्षण के लिए समर्पित निधि, आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की व्यवस्था करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी इस प्रयास को बल मिल सकता है। लेकिन इन सबका उद्देश्य केवल पुस्तकों को बचाना नहीं, उन्हें पाठकों और शोधकर्ताओं तक पहुंचाना होना चाहिए।

सपा को माफिया की कब्र पर आंसू बहाने की फिक्र, शिक्षकों के हितों की नहीं : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर शिक्षा, शिक्षकों और युवाओं के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को शिक्षा से कोई लेना–देना नहीं, जो माफिया के पिछलग्गू हैं और माफिया के मरने पर उसकी कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ते हैं, उनसे शिक्षकों के हितों की उम्मीद कैसे की जा सकती है। सपा सरकार में शिक्षकों के पद खाली रहे, भर्ती आयोगों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा था और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ होता था। भाजपा सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल छात्र का भविष्य नहीं बनाता, बल्कि समाज, राष्ट्र और युग का निर्माण करता है।

मुख्यमंत्री योगी वाराणसी में शिक्षक और स्नातक विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक और स्नातक समाज के सजग प्रहरी हैं। दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। शिक्षक युवाओं को दिशा देता है और युवा राष्ट्र का भविष्य तय करते हैं। शिक्षकों और स्नातकों की समस्याओं का समाधान किया गया है। कोई मुद्दा शेष रह जाएगा तो सरकार उसका भी समाधान निकालेगी। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि दस में आठ सीटें भाजपा और दो सपा को मिलीं। भाजपा ने विभिन्न समाजों को प्रतिनिधित्व दिया, लेकिन पीडीए की बात करने वाली सपा ने एक सीट अपने चाचा रामगोपाल यादव को दे दी और दूसरी मुंबई के धन्नासेठ को। उन्होंने सवाल किया कि सपा को काशी, गाजीपुर या बलिया का कोई यादव, दलित या मुस्लिम प्रत्याशी क्यों नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी और पराया धन अपना बताते हुए सपा पर कथनी और करनी में अंतर होने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर वादों से मुकरने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर विश्वास करना मगरमच्छ से नदी पार कराने की उम्मीद करने जैसा है। मगरमच्छ नदी के बीच में ले जाकर क्या करेगा, यह सभी जानते हैं। उन्होंने सपा नेताओं पर बार–बार रंग बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन्हें देखकर गिरगिट भी खुश होता होगा कि मनुष्य में उसकी जाति का कोई पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि सपा को प्रदेश की नहीं, केवल अपने परिवार की चिंता रही है। समाज में भेदभाव और बंटवारा पैदा करने वाली राजनीति से सावधान रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा सरकार में भर्ती आयोगों और बोर्डों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा था। चाचा–भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकलती थी। वर्ष 2017 में बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के 1.60 लाख पद खाली थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नियुक्तियां कीं और सेवानिवृत्ति से रिक्त होने वाले पदों पर भी भर्ती जारी है। प्रदेश में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। अगले छह महीने में एक लाख और नियुक्तियां देने का संकल्प है। बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में 32 हजार युवाओं का परिणाम घोषित हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विधान परिषद में ऐसा प्रतिनिधित्व होना चाहिए, जो शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार के सामने रख सके। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के टीईटी संबंधी निर्णय के बाद पुराने शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी की व्यवस्था करने का उल्लेख किया। कहा कि बेसिक से विश्वविद्यालय स्तर तक के शिक्षकों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्ववित्तपोषित संस्थानों के शिक्षक भी इसमें शामिल हैं। वित्तपोषित विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 40 लाख से डेढ़ करोड़ रुपये तक के बीमा कवर का भी उन्होंने उल्लेख किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे, जबकि आज 24 हजार से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। प्रदेश का युवा अब केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाला बन रहा है। निजी क्षेत्र में 65 लाख युवाओं को नौकरी मिली है और तीन करोड़ से अधिक लोग रोजगार तथा स्वरोजगार से जुड़े हैं। प्रदेश के 62 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन दिए गए हैं। सरकार ने दो करोड़ युवाओं तक यह सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में त्योहारों से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। उत्सव से पहले उपद्रव प्रदेश की पहचान बन गया था। खराब कानून–व्यवस्था के कारण निवेशक नहीं आते थे। आज काशी विश्वनाथ धाम में औसतन एक लाख श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। प्रदेश की पहचान अब दंगा, कर्फ्यू और माफिया नहीं, बल्कि काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम जन्मभूमि, प्रयागराज महाकुंभ और मथुरा–वृंदावन से हो रही है। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि वर्ष 2005 से 2017 तक शिक्षकों और कर्मचारियों की नई पेंशन योजना की राशि जमा नहीं की गई। खाते तक नहीं खोले गए थे। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद 14 लाख कार्मिकों के खाते खुलवाने के लिए दस हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई। नई पेंशन योजना में सरकार का अंशदान भी दस से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का रुख महत्वपूर्ण संकेत देगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश में हुए बदलावों का उल्लेख किया। अखिलेश यादव की अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के जवाब के बाद सपा प्रमुख की ओर से कोई उत्तर नहीं आया। सम्मेलन में मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, रवींद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया, प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरि, महापौर अशोक तिवारी, जिला अध्यक्ष राम सकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि और अरुण पाठक सहित शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

बस्ती,संवाददाता। सोनहा थाना क्षेत्र के गायसाथ में बुधवार सुबह एक बगीचे में युवक का शव फंदे से लटका मिला। शव मिलने की सूचना से आसपास के इलाके में हलचल मच गई। मृतक की पहचान पड़रिया दत्तू गांव निवासी आलोक मिश्रा (40) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। जानकारी के अनुसार, गायसाथ में दारू भट्ठी के पीछे स्थित बगीचे में युवक का शव फंदे से लटका होने की सूचना डायल 112 पर दी गई थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय थाने को भी घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के भाई भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव को अस्पताल ले जाने की बात कही। इसके बाद मृतक के भाई अस्पताल के लिए रवाना हुए। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

नवरात्र पर महंगाई का साया, जेब हुई ढीली

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया, संवाददाता। शारदीय नवरात्र में इस बार खाने–पीने के सामान से लगा कर फलों के भाव में उछाल ने सीमित आय वाले लोगों का बजट गड़बड़ा दिया है। लोगों कहा कि इस बार नवरात्र आम आदमी के लिए आस्था व घरेलू खर्च का बजट व्यवस्थित करने की परीक्षा है। पूजा के सामान, फलाहार और महीने भर के राशन की खरीदारी को लेकर लोगों की जेबें ढीली हो रही है। इन सबके बीच महंगाई पर नवरात्र की आस्था भारी दिख रही है। शहर के प्रोफेसर कॉलोनी निवासी अंजली सिंह ने बताया कि पिछले साल वह नवरात्र में पूरे नौ दिन फलाहार रहती थी, इस बार केवल चढ़ती उतरती व्रत रखूंगी। बताया कि फलों में सेब और अनार, केला आदि के भाव बढ़ गए हैं। कहा कि पूजा के बजट में कटौती नहीं करूंगी, दूसरे खर्चों में कटौती होगी। चुनरी, नारियल, चुनरी, अगरबत्ती के साथ हवन सामग्री के भाव आसमान छू रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और टाइट है। बाढ़ के बाद धान की फसल को नुकसान हुआ है, ऊपर से त्योहार का खर्च है। इसी तरह गृहिणी लक्ष्मी ने बताया कि चीनी, रिफाइंड और सरसो तेल के आसमान छूटे भाव के कारण रसोई घर के बजट में कटौती करने की लाचारी है। हम समझदार लोग तो अपने पर खर्च कम कर सकते हैं। लेकिन बच्चे को कैसे मनाया जाय, महीने की आमदनी उतनी ही है। महंगाई का असर कारोबार पर सीधा पड़ रहा है। पहले नवरात्र के समय अच्छी खासी बिक्री होती थी, जिसमें मुनाफा अधिक होता था। वर्तमान समय में खरीदार खुद ही कटौती करने लगे हैं, जब बिक्री ही प्रभावित है तो आमदनी घटना तय है। सूखे फलों और घरेलू उपयोग के चढ़ते भाव के कारण दुकानदारी काफी प्रभावित हो गई है। महंगाई और आमदनी के बीच का फासला इसी तरह बढ़ता रहा तो दुसरा उपाय सोचना होगा।

ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों की साइबर ठगी का पर्दाफाश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। इटावा में ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के नाम पर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। चार अलग–अलग जनपदों के आरोपियों ने मिलकर ठगी का ऐसा नेटवर्क तैयार किया, जिसमें गांव के सामान्य लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके पहचान संबंधी दस्तावेज हासिल किए जाते थे। फिर इन्हीं दस्तावेजों के सहारे फर्जी बैंक खाते और सिम कार्ड खुलवाकर ठगी की रकम का लेन–देन किया जाता था। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 16 मोबाइल फोन, 42 एटीएम कार्ड, लैपटॉप और लेन–देन के रजिस्टर बरामद हुए हैं। साथ ही ठगी की रकम से खरीदी गई थार और स्कॉर्पियो गाड़ी भी पुलिस ने जब्त की है।

ऑनलाइन गेमिंग में कमाई का लालच...और पर्दे के पीछे साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क। इटावा पुलिस ने ऐसे ही एक गिरोह का खुलासा किया है, जो कथित तौर पर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए लोगों से रकम हासिल करता था। गिरोह के सदस्य आम लोगों को कमीशन देने का लालच देकर उनके आधार और पहचान संबंधी दस्तावेज लेते थे। इसके बाद उनके नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर बैंक खाते खुलवाए जाते और उन खातों से जुड़े एटीएम कार्ड तथा सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे।

इन खातों में ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के नाम पर रकम मंगाई जाती थी। इसके बाद पैसा दूसरे खातों में ट्रांसफर किया जाता या अलग–अलग जगहों से नकदी के रूप में निकाला जाता था। इस पूरे खेल में असली खाताधारकों को शायद अंदाजा भी नहीं होता था कि उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य इसी नेटवर्क के जरिए ठगी की रकम का लेन–देन करते थे और उससे वाहन जैसी संपत्तियां भी खरीदी गईं। पुलिस की जांच में सामने आए चार आरोपियों में अंशुल तिवारी, रॉकी राणावत, अंकित मिश्रा और मोहित यादव शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह में सभी की अलग–अलग जिम्मेदारियां थीं। कोई स्थानीय संपर्क और वाहनों की व्यवस्था देखता था, तो कोई फर्जी दस्तावेजों और बैंक खातों का प्रबंध करता था। वहीं, कुछ सदस्य फर्जी खाताधारकों की व्यवस्था करने और पहचान संबंधी दस्तावेज जुटाने में सहयोग करते थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

14 अक्टूबर को एसओजी, सर्विलांस और सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अंबेडकर चौराहे के ओवरब्रिज के नीचे घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान 16 मोबाइल फोन, 42 एटीएम और डेबिट कार्ड, छह सिम कार्ड, एक लैपटॉप, विभिन्न बैंक खातों की पासबुक, चेकबुक, पहचान संबंधी दस्तावेज और लेन–देन के तीन रजिस्टर बरामद किए गए। इसके अलावा एक थार और एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, इन वाहनों को ठगी की रकम से खरीदा गया था।

फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज, ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस गिरोह के दूसरे सदस्यों और फर्जी खातों के जरिए हुए लेन–देन की कड़ियां खंगाल रही है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर आगाह किया है कि कमीशन के लालच में किसी को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज देना भारी पड़ सकता है। साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

तेंदुए के हमले में मासूम की मौत के बाद वन विभाग अलर्ट

बहराइच,संवाददाता।

कतर्नियाघाट वन्यजीव क्षेत्र के ककरहा रेंज में दो दिन पहले तेंदुए के हमले में आठ साल के रोहित की मौत हो गई थी। इसके बाद वन विभाग और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की टीम अलर्ट हो गई है। घटनास्थल और आसपास के संवेदनशील इलाकों में चार कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। वन्यजीव की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक पिंजरा भी लगाया गया है। टीम लगातार गश्त कर रही है। ककरहा रेंज के रेंजर के. सिंह ने बताया कि टीम लगातार निगरानी कर रही है। ग्रामीणों को वन्यजीवों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। लोगों से अकेले जंगल न जाने और शाम को सावधान रहने की अपील की गई है। घरों के आसपास सफाई रखने और जंगल से सटे इलाकों में फालतू आने–जाने से बचने की सलाह भी दी गई है।

धनुष भंग की लीला देख भावविभोर हुए दर्शक, खूब बजी तालियां, सुबह तक डटे रहे श्रोता

अहेरीपुर (इटावा)। कस्बा अहेरीपुर में आयोजित रामलीला में धनुष भंग की लीला का मंचन देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रभु श्रीराम की लीला के दौरान रावण–बाणासुर संवाद, जनक विलाप, सीता स्वयंवर और लक्ष्मण–परशुराम संवाद ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला का आनंद लेने के लिए श्रोता सुबह तक पंडाल में डटे रहे। धनुष भंग की लीला का उद्घाटन श्री श्री 1008 महंत वेद प्रकाश जी ने फीता काटकर किया। और उसके बाद भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष तेज प्रताप सिंह ने भगवान श्री राम की आरती उतारी इस अवसर पर उन्होंने रामलीला कमेटी को 11 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। उनके सहयोग से कमेटी के सदस्यों में उत्साह देखने को मिला।

रामलीला मंचन के दौरान सीता स्वयंवर का प्रसंग आकर्षण का केंद्र रहा। जब बड़े–बड़े राजा–महाराजा भगवान शिव के धनुष को उठाने में असफल रहे, तो राजा जनक की चिंता और विलाप ने दर्शकों को भावुक कर दिया। वहीं, भगवान श्रीराम द्वारा धनुष भंग किए जाने का प्रसंग आते ही पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। इसके बाद लक्ष्मण और परशुराम के बीच हुए तीखे संवादों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। और दर्शकों ने खूब तालियां बजाई

रामलीला में रावण–बाणासुर संवाद ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। देर रात से लेकर सुबह तक दर्शक रामलीला का आनंद लेते रहे।

कस्बे में वर्षों से चली आ रही रामलीला की परंपरा धार्मिक आस्था के साथ–साथ सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाए हुए है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और दर्शकों को संभालने के लिए पुलिस स्टाफ अहेरीपुर का बहुत बड़ा योगदान रहा।

संवाददाता तेज प्रताप सिंह

आवासीय मकान-दुकान खरीदने के बाद भी कब्जे को लेकर विवाद

दो महीने की मोहलत खत्म होने के बाद भी मकान खाली न करने का आरोप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। जनपद में आवासीय मकान और दुकान की खरीद–फरोख्त को लेकर विवाद सामने आया है। अनुसूचित जाति की सुनीता देवी पत्नी अवधेश कुमार कोरी ने ममता पोरवाल पत्नी स्वर्गीय शिवशंकर पोरवाल पर मकान खाली न करने और पांच लाख रुपये अतिरिक्त मांगने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि उसने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर 25 लाख रुपये में आवासीय मकान सहित दुकान खरीदी थी, जिसके भुगतान में कुछ धनराशि नकद और कुछ चेक के माध्यम से दी गई थी।

सुनीता देवी के अनुसार, मकान की बिक्री के समय सामाजिक सहमति के आधार पर उसे खाली करने के लिए दो महीने का समय दिया गया था। निर्धारित समय पूरा होने के बाद जब मकान खाली करने को कहा गया तो आरोप है कि संबंधित महिला ने मकान खाली करने से इनकार कर दिया और विवाद करने पर उतारू हो गई। पीड़िता का दावा है कि खरीद के बाद मकान का दाखिल भी हो चुका है, इसके बावजूद उसे अपनी संपत्ति का कब्जा नहीं मिल पा रहा है।

पीड़ित दंपती का आरोप है कि मकान खाली कराने की मांग करने पर अब पांच लाख रुपये अतिरिक्त मांगे जा रहे हैं। इतना ही नहीं, उनके मुताबिक, मकान खाली करने के लिए कहने पर झूठे मुकदमों में फंसाने का दबाव भी बनाया जा रहा है। इससे परिवार खुद को परेशान और असहाय महसूस कर रहा है।

जीवनभर की कमाई फंसने का आरोप, प्रशासन से लगाई गुहार

सुनीता देवी और उनके पति अवधेश कुमार कोरी का कहना है कि उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से मकान खरीदा था, लेकिन अब संपत्ति का कब्जा पाने के लिए उन्हें प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पीड़ित दंपती ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर मकान का कब्जा दिलाने और कथित रूप से अतिरिक्त रकम मांगने व धमकी देने के आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर दो युवक झुलसे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। बकेवर थाना क्षेत्र के इंद्रापुर गांव में किसान निर्देश मिश्रा के खेत में कंबाइन मशीन से फसल की कटाई के दौरान दो युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा उस समय हुआ, जब मशीन के पीछे से ऊपर चढ़ रहे सोहिल 22 बर्ष पुत्र भागचंद्र निवासी पलवल, हरियाणा और राहुल कुमार 27 बर्ष पुत्र रामचंद्र निवासी मुडैना खुर्द कला, थाना बकेवर का सिर हाईटेंशन तार से छू गया। करंट लगने से दोनों युवक झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को महेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

उज्ज्वला योजना के नाम पर वसूली और जातिसूचक गाली-गलौज का आरोप, गैस एजेंसी संचालक पर कार्रवाई की मांग

□ दो हजार रुपये वापस मांगने पर सिलेंडर और चूल्हा भी वापस लेने का आरोप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाने के नाम पर कथित वसूली और शिकायत करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। बरालोकपुर स्थित घनश्याम दास गुप्ता इंडियन गैस एजेंसी के संचालक के खिलाफ देवेश कुमार जाटव ने गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता देवेश कुमार जाटव के अनुसार, उन्होंने अपनी पत्नी के नाम प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन लिया था। आरोप है कि कनेक्शन के नाम पर उनसे दो हजार रुपये वसूल किए गए। बाद में योजना के बारे में जानकारी होने पर उन्होंने एजेंसी संचालक से रकम वापस मांगी। देवेश का कहना है कि रुपये तो वापस कर दिए गए, लेकिन एजेंसी की ओर से दिया गया गैस सिलेंडर और चूल्हा भी वापस ले लिया गया।

पीड़ित ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर की थी। आरोप है कि जांच के दौरान सप्लाई इंस्पेक्टर ने एजेंसी संचालक से फोन पर बात कराने को कहा। इसके बाद एजेंसी संचालक नवनीत गुप्ता ने कथित तौर पर उनके साथ जातिसूचक गाली–गलौज और मारपीट की तथा शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का दावा है कि घटना से संबंधित कुछ वीडियो भी उसके पास मौजूद हैं। देवेश कुमार का कहना है कि उन्होंने थाना स्तर पर भी शिकायत की, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने और आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

व्यापारियों ने खाद्य पदार्थों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती,संवाददाता। जिले में खाद्य पदार्थों के नमूने लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, जांच रिपोर्ट समय से मिलने और विभागीय कार्रवाई से जुड़ी समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश ने बुधवार दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी के माध्यम से खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारियों ने खाद्य कारोबारियों और निर्माताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 12 मांगें रखीं।

धर्मा प्रोडक्शन के लिए विषकन्या बनेंगी प्रतिभा रांटा, राजकुमार राव होंगे जोड़ीदार

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन हॉरर और फैंटेसी जॉनर में लगातार अपनी पैठ जमा रही है। कार्तिक आर्यन के साथ नागजिला के बीच, प्रोडक्शन की अगली फंतासी हॉरर को लेकर ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लापता लेडीज से लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री प्रतिभा रांटा मुख्य नजर आएंगी। उनके साथ राजकुमार राव मुख्य किरदार में होंगे। फिल्म के शीर्षक का खुलासा भी हो गया है और यह एक विशाल जादुई काल्पनिक दुनिया पर आधारित होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म का शीर्षक विषकन्या होगा। इस हाई–कॉन्सेप्ट फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए प्रतिभा को चुना गया है। कहानी को गुप्त रखा जा रहा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं का मकसद हाल के हिंदी सिनेमा में देखे गए किसी भी पौराणिक ब्रह्मांड से अलग एक रहस्यमय ब्रह्मांड को फिल्म के जरिए प्रस्तुत करना है। यह फिल्म हॉरर की पारंपरिक शैलियों से हटकर एक अलौकिक फंतासी होगी। रिपोर्ट के अनुसार, विषकन्या नाम वाली फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। इसका निर्देशन सोनल जोशी करेंगी, जिन्होंने शिल्पा शेट्टी अभिनीत कॉमेडी–ड्रामा फिल्म सुखी (2023) से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। धर्मा प्रोडक्शन के साथ प्रतिभा का यह दूसरा सहयोग होने जा रहा है।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले जान लें ये बातें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को अक्सर लोग जिम में शरीर बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप इसका अभ्यास बिना किसी योजना के कर दें। दरअसल, वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को शुरू करने से पहले कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए आज हम आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें बताते हैं।

सबसे पहले डॉक्टर से लें सलाह

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर से अगर आप पहले से कोई बीमारी या चोट से जूझ रहे हैं या आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है। डॉक्टर आपकी सेहत का आकलन करके आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने की इजाजत दे सकते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपको सही आहार और एक्सरसाइज के बारे में भी बता सकते हैं।

प्रशिक्षक से लें मार्गदर्शन

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करते समय शरीर की मुद्रा का सही होना जरूरी है क्योंकि गलत तरीके से की गई एक्सरसाइज से चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले किसी अच्छे प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लें।

इसके अलावा आप ऑनलाइन वीडियो देखकर भी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज की सही तकनीक और फॉर्म को सीख सकते हैं।

धीरे–धीरे बढ़ाएं वजन

अगर आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी सभी तकनीक और फॉर्म सीख भी जाते हैं तो भी आपको शुरूआत में हल्का वजन उठाना चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इससे आपको सही फॉर्म को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही आपको अधिक वजन उठाने के कारण चोट लगने का खतरा भी नहीं रहेगा। इसके बाद ही आप धीरे–धीरे वजन बढ़ा सकते हैं।

वार्मअप करना है जरूरी

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है। दरअसल, जब आप अपने शरीर को गर्म करते हैं तो इससे आपके दिल की धड़कनें बढ़ती हैं और आपकी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। इससे आपके शरीर में लचीलापन भी आता है और आप आसानी से वजन उठाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके अलावा वार्मअप करने से शरीर में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे शरीर में मौजूद जमी हुई चर्बी आसानी से पिघलने लगती है।

हाइड्रेट रहें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज के दौरान शरीर को पर्याप्त पानी देना महत्वपूर्ण है। अगर आप जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं तो पानी के साथ–साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी करें।

इसके लिए आप नारियल पानी, स्पोर्ट्स ड्रिंक या फिर इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप घर पर बनाकर भी पी सकते हैं। इसके लिए पानी में थोड़ा–सा नींबू का रस और चुटकी भर नमक मिलाकर पिएं।

वेंकटेश–अनिल रविपुडी की 5वीं फिल्म का फर्स्ट लुक जारी, सेना के अधिकारी की भूमिका में आएंगे नजर

हिट फिल्मों के निर्देशन के लिए पहचाने जाने वाले अनिल रविपुडी, अभिनेता विक्ट्री वेंकटेश और नंदमुरी कल्याण राम के साथ एक बहु–कलाकार फिल्म लेकर आ रहे हैं। श्वेंकी अनिल 5य और श्एनकेआरएआर 2य नाम से चर्चा में यह फिल्म तेजी से आगे बढ़ रही है। फिलहाल इसकी शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। फिल्म के निर्माताओं ने विक्ट्री वेंकटेश का पहला रूप–चित्र जारी किया है, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा है। जारी किए गए रूप–चित्र में वेंकटेश सेना के अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वह फिल्म में लेफ्टिनेंट कर्नल वेंकट रेड्डी का किरदार निभा रहे हैं। इस भूमिका में उनका अंदाज पहले से काफी अलग दिखाई दे रहा है। उनका किरदार बंधकों को छुड़ाने के लिए बातचीत करने और आतंकवाद–विरोधी अभियानों में विशेषज्ञ बताया जा रहा है। पोस्टर में वेंकटेश गले में स्कार्फ पहने एक कार के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं। सेना की वर्दी में उनका व्यक्तित्व गंभीर और प्रभावशाली नजर आता है। उनके इस नए रूप को लेकर फिल्म के प्रशंसकों में उत्सुकता है।

रजनीकांत की जेलर 2 का धमाकेदार आगाज, 24 घंटे में एडवांस बुकिंग 20 करोड़ के पार

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाना शुरू कर दिया है। दुनियाभर में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही महज 24 घंटे के भीतर फिल्म ने 20 करोड़ रुपये से अधिक का प्री–सेल्स बिजनेस कर लिया है। रिलीज में अभी चार दिन बाकी हैं और एडवांस बुकिंग की इस तूफानी रफ्तार को देखकर माना जा रहा है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान रचेगी। जेलर 2 की एडवांस बुकिंग भारत में 10 अक्टूबर से शुरू हुई। कुछ विदेशी बाजारों में ये एक दिन पहले ही खुल चुकी थी। केरल में बुकिंग 11 अक्टूबर की सुबह शुरू हुई। अलग–अलग समय पर शुरुआत के बावजूद फिल्म

की प्री–सेल्स को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। 11 अक्टूबर की सुबह तक फिल्म का दुनियाभर में एडवांस बुकिंग कलेक्शन 20 करोड़ के पार पहुंच गया। विदेशों में सबसे ज्यादा कमाई हुई, जहां अकेले लगभग 16–17 करोड़ के टिकट बिक गए। भारत के सभी राज्यों में बुकिंग पूरी तरह न खुलने के बाद भी रजनीकांत की जेलर 2 ने एक ही दिन में देश में 4 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली। इसमें से 3.53 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार सिर्फ पहले दिन की एडवांस बुकिंग से आया है। भारत में हुई कुल एडवांस बिक्री में अकेले तमिलनाडु का हिस्सा लगभग 90 फीसदी रहा, जिसमें से सिर्फ चेन्नई शहर से 1.63 करोड़ रुपये की टिकटें बिकीं। रजनीकांत की फिल्में पैन–इंडिया न होकर भी दक्षिण भारत के बाहर अच्छा कारोबार करती हैं, लेकिन जेलर 2 में अन्य भाषाओं के बड़े सितारों की मौजूदगी इसे असली पैन–इंडिया फिल्म बना सकती है।

रामायण के नए पोस्टर रिलीज, राजा दशरथ से अंतिम विदाई लेते दिखे श्रीराम बने रणबीर कपूर

रणबीर कपूर की नई फिल्म रामायण के रिलीज होने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच इस फिल्म के नए पोस्टर जारी किए गए हैं, जिन्हें देखकर प्रशंसक भावुक हो रहे हैं। पहले पोस्टर में भगवान राम और राजा दशरथ को एक साथ दिखाया गया है। पोस्टर उस भावुक पल को दर्शाता है, जब श्रीराम ने अपने पिता से वनवास पर जाने से पहले अंतिम विदाई ली थी। इस पोस्टर को रणबीर ने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें वो श्री राम के अवतार में घुटनों पर बैठकर सम्मान के साथ राजा दशरथ को नमन करते नजर आ रहे हैं, वहीं राजा दशरथ की भूमिका में अरुण गोविल श्रीराम को आशीर्वाद देते दिखाई दे रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, एक पिता, जो वादे से बंधा है। एक बेटा, जो कर्तव्य से बंधा है। किसी को नहीं पता था कि ये विदाई आखिरी होगी। इस पोस्ट में एक नहीं, बल्कि 2 पोस्टर जारी किए गए हैं। दूसरे पोस्टर में श्री राम नदी में खड़े हो कर अस्थियां विसर्जित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके चारों तरफ हरियाली फैली हुई है और तस्वीर की सादगी इस पल को और भी भावुक बना देती है। इससे पहले 2 अन्य पोस्टर जारी किए गए थे, जिनमें लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा मंथरा के रूप में नजर आईं थीं।

उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती, श्रेया सरन ने की दृश्यम 3 को–स्टार अजय देवगन की तारीफ

दृश्यम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म दृश्यमरू द कन्क्लूजन को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की।श्रेया सरन ने कहा, अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं। श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है। अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभिषेक पाठक ने दृश्यम फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं। श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की और कहा, मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी। दृश्यम फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच–समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके। दृश्यम रू द कन्क्लूजन में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं। दृश्यमरू द कन्क्लूजन इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। दृश्यमरू द कन्क्लूजन 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

कसरत करने के बाद इन तरीकों से करें रिकवरी, जल्द मिलेगी राहत

कसरत करने के बाद शरीर को ठीक से आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। कसरत के बाद शरीर की मांसपेशियों और जोड़ों पर जोर पड़ता है, जिसके कारण उनमें दर्द और अकड़न जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनसे राहत पाने के लिए शरीर को ठीक से आराम देना जरूरी है। आइए आज हम आपको कसरत के बाद शरीर की रिकवरी के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

पानी की कमी न होने दें

कसरत के बाद शरीर को पानी की कमी से बचाना बहुत जरूरी है। जब आप कसरत करते हैं तो शरीर से बहुत पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। पानी पीने से शरीर को फिर से तरल पदार्थ मिलता है और यह तेजी से ठीक होता है। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी पी सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी खनिज लवण भी मिलते हैं, जो रिकवरी में मदद करते हैं।

प्रोटीन वाला खाना खाएं

कसरत के बाद प्रोटीन वाला खाना खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है। प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करती है। इसके लिए आप दाल, दूध, दही या चिकन जैसी चीजें खा सकते हैं। इसके अलावा आप प्रोटीन शेक या बार भी ले सकते हैं, जो जल्दी और आसानी से प्रोटीन प्रदान

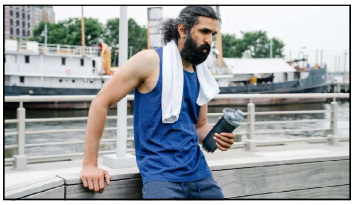

करते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां तेजी से ठीक होती हैं और आप जल्दी से तैयार हो जाते हैं।

स्ट्रेचिंग करें

कसरत के बाद स्ट्रेचिंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मांसपेशियों को आराम देती है और खिंचाव कम करती है। इससे रक्त संचार भी बढ़ता है, जिससे शरीर में जमा लैक्टिक एसिड बाहर निकलता है और दर्द कम होता है। इसके अलावा स्ट्रेचिंग शरीर का लचीलापन बढ़ाती है, जिससे अगली बार की कसरत आसान हो जाती है। इससे शरीर में ताजगी और आराम महसूस होता है, जिससे आपकी रिकवरी प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना शरीर की रिकवरी के लिए बहुत जरूरी है। जब आप सोते हैं तो आपका शरीर खुद ही मरम्मत करता रहता है और थकान दूर करता है। अच्छी नींद लेने से आपकी मांसपेशियां ठीक होती हैं और अगली बार की कसरत करने की ऊर्जा मिलती है। कोशिश करें कि आप रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें ताकि आपका शरीर पूरी तरह से आराम कर सके।

रूसी प्रतिनिधिमंडल ने ड्रोन निर्माण पर मुख्यमंत्री नायब सैनी से चर्चा की

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। रूस के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। बैठक में हरियाणा में निवेश, तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान तथा औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में हिसार जिले के हांसी स्थित सिसाय में एवीपीएल इंटरनेशनल द्वारा स्थापित ड्रोन सिटी हरियाणा में प्रस्तावित दो भारत–रूस संयुक्त उद्यमों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इनमें उन्नत हेलीकॉप्टर ड्रोन के निर्माण तथा भारतीय सेमीकंडक्टर चिप्स का उपयोग करते हुए जीपीएस जीएनएसएस संकेतों पर निर्भरता के बिना ड्रोन के संचालन एवं नेविगेशन की तकनीक विकसित करने की योजनाएं शामिल हैं। छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में रूस के चार प्रतिनिधि तथा भारत के दो वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। रूस के प्रतिनिधिमंडल में स्कोल्कोवो फाउंडेशन के निदेशक लियोनिद आर्टेमोव, प्रोजेक्ट मैनेजर अलेक्जेंडर जापोरोज्स्की, ओम्नीटेक एलएलसी के सीईओ एलेक्सी उर्बान्स्की तथा 4जीएनएसएस एलएलसी ओरिएंट सिस्टम्स ग्रुप के सीईओ एवं सह–संस्थापक श्री सर्गेई लेबेदेव शामिल रहे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में ड्रोन टेक मल्टी–स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल श्री राकेश कुमार आनंद तथा एवीपीएल इंटरनेशनल (एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड) के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री दीप सिंह सिसाय शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग और प्रस्तावित संयुक्त उद्यमों के माध्यम से हरियाणा में उन्नत ड्रोन निर्माण का मजबूत औद्योगिक तंत्र विकसित करने की संभावनाओं पर विचार–विमर्श किया।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को रूस की कंपनी ओम्नीटेक एलएलसी और एवीपीएल इंटरनेशनल के बीच प्रस्तावित सहयोग की जानकारी दी। इसके तहत सिसाय स्थित ड्रोन सिटी हरियाणा में उन्नत हेलीकॉप्टर ड्रोन निर्माण इकाई स्थापित करने की योजना है। प्रस्तावित परियोजना में उन्नत मानवरहित हेलीकॉप्टर प्रणालियों के निर्माण, असेंबली, अनुसंधान, परीक्षण और तकनीकी विकास के लिए सुविधाएं विकसित करने की परिकल्पना की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, इन हेलीकॉप्टर ड्रोनों की उड़ान क्षमता 250 किलोमीटर तक तथा भार वहन क्षमता 200 किलोग्राम तक होगी। इस परियोजना का उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, स्वदेशी निर्माण, अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देना है।

प्रस्तावित हेलीकॉप्टर ड्रोन का उपयोग औद्योगिक लॉजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन, दूरदराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तथा अन्य नागरिक और औद्योगिक कार्यों में किया जा सकेगा। संयुक्त उद्यम को अंतिम रूप मिलने पर हरियाणा में विशेषीकृत हेलीकॉप्टर ड्रोन निर्माण क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इससे उन्नत एयरोस्पेस और मानवरहित हवाई प्रणालियों के निर्माण में राज्य की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है। बैठक में 4जीएनएसएस एलएलसी ओरिएंट सिस्टम्स ग्रुप के साथ दूसरे प्रस्तावित भारत–रूस संयुक्त उद्यम पर भी चर्चा हुई। इसके तहत ऐसी उन्नत ड्रोन नेविगेशन तकनीक विकसित करने की योजना है, जो जीपीएस–जीएनएसएस उपग्रह संकेत उपलब्ध न होने की स्थिति में भी काम कर सके। इस तकनीक का उद्देश्य ड्रोन को उपग्रह आधारित नेविगेशन संकेतों के अभाव में भी अपने निर्धारित मिशन पूरे करने में सक्षम बनाना है। प्रस्तावित परियोजना में भारतीय सेमीकंडक्टर चिप्स के उपयोग, स्वदेशी तकनीक के विकास और भारत में ही निर्माण की संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया गया है। यह पहल ड्रोन अनुसंधान, स्वायत्त नेविगेशन और एयरोस्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में प्रगति के साथ–साथ देश में उन्नत तकनीक के विकास के नए अवसर भी सृजित कर सकती है उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार राज्य में ड्रोन एवं एयरोस्पेस निर्माण को बढ़ावा देने के लिए पहले ही कई महत्वपूर्ण कदम उठा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (भ्म्च्ठ) की 19वीं बैठक में एआईटीएमसी

वेंचर्स लिमिटेड के लिए 58.51 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी गई थी। यह मंजूरी हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति, 2020 के तहत हिसार जिले में ड्रोन और ड्रोन के कलपुर्जों के निर्माण के लिए औद्योगिक हब विकसित करने के उद्देश्य से दी गई थी। मुख्यमंत्री ने हरियाणा को ड्रोन निर्माण, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने पर भी विशेष जोर दिया है। 28 सितंबर, 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में अनुसंधान को प्राथमिकता देने, स्टार्टअप्स को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा युवाओं के तकनीकी कौशल विकास को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसका उद्देश्य हरियाणा को ड्रोन कैपिटल के रूप में विकसित करना है। रूसी तकनीकी कंपनियों के साथ प्रस्तावित सहयोग इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने, तकनीक हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने और उच्च मूल्य वाले विनिर्माण को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है।

सिसाय स्थित ड्रोन सिटी हरियाणा इसी दिशा में राज्य की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना की आधारशिला मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सितंबर 2025 में रखी थी, जबकि इसके प्रथम चरण का उद्घाटन हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने मई 2026 में किया था।

हरियाणा पहुंचने से पहले रूस के प्रतिनिधिमंडल ने 12 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू से भी मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने सिसाय स्थित ड्रोन सिटी हरियाणा का दौरा कर वहां उपलब्ध विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण सुविधाओं की जानकारी ली। एवीपीएल इंटरनेशनल तथा ड्रोन टेक मल्टी–स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने भी रूसी कंपनियों के साथ तकनीकी सहयोग और संयुक्त उद्यमों की संभावनाओं पर चर्चा की।

बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के ओएसडी विवेक कालिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दक्षिण हरियाणा से हो राज्य का अगला मुख्यमंत्री, विजय यादव शिकोहपुर ने उठाई मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । दक्षिण हरियाणा के साथ हो रहे राजनीतिक और विकास संबंधी भेदभाव को लेकर क्षेत्र में एक बार फिर क्षेत्रीय नेतृत्व की मांग जोर पकडने लगी है। भारत एकता संघ के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता विजय यादव शिकोहपुर ने दक्षिण हरियाणा के लोगों का आह्वान करते हुए मांग की है कि हरियाणा का अगला मुख्यमंत्री दक्षिण हरियाणा से होना चाहिए। इस मांग को लेकर जल्द ही नारनौल से गुरुग्राम तक एक विशाल पदयात्रा निकालने और जन–जन को जागरूक करने की घोषणा की गई है। विजय यादव शिकोहपुर ने जारी एक बयान में कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा के गठन से लेकर अब तक अधिकांश मुख्यमंत्री भिवानी, रोहतक, हिसार, सिरसा और करनाल क्षेत्रों से ही रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि राज्य के आर्थिक विकास में 70 प्रतिशत से अधिक राजस्व योगदान देने और 100 प्रतिशत मतदान करने के बावजूद दक्षिण हरियाणा के साथ यह राजनीतिक भेदभाव क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो, दक्षिण हरियाणा को रोजगार, नहरी पानी और आधारभूत ढांचे के विकास में हमेशा पीछे रखा गया। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दक्षिण हरियाणा से एकत्र राजस्व को अन्य जिलों के विकास में लगा दिया गया। वर्ष 2014 के सत्ता परिवर्तन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बदलने के बावजूद क्षेत्र की स्थितियां नहीं बदलीं। आज भी टूटी सडकें, जलभराव, धूल–मिट्टी और प्रशासनिक नौकरियों में भेदभाव जैसी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। विजय यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री से न बनने या सुनवाई न होने का बहाना बनाकर स्थानीय नेता पल्ला झाड़ लेते हैं। इसका एकमात्र समाधान यही है कि राज्य की कमान दक्षिण हरियाणा के हाथों में हो। उन्होंने क्षेत्रवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि 2029 या उससे पहले अपने राजनीतिक हक को हासिल करने के लिए सभी को एकजुट होकर संकल्प लेना होगा। इसी उद्देश्य से नारनौल से गुरुग्राम तक पदयात्रा निकालकर लोगों को जागरूक किया जाएगा, ताकि क्षेत्र का समुचित और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

पंडित मांगे राम शर्मा की जयंती 24 को, विप्र संकल्प का होगा विमोचन

लोकेश कुमार

गुरुग्राम । विश्व ब्राह्मण संघ के संस्थापक एवं चेयरमैन स्व. पंडित मांगे राम शर्मा की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 24 अक्टूबर को आईडीसी

सेक्टर–14 स्थित जीआईए परिसर में जयंती समारोह एवं विप्र संकल्प विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संघ के चेयरमैन शशिकांत शर्मा ने कहा कि समारोह में प्रदेश के केबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अजय भट्ट तथा विधायक मुकेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पंडित मांगे राम शर्मा के सामाजिक योगदान, संगठनात्मक दृष्टिकोण और समाज के प्रति उनके समर्पण को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि पंडित जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है और उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से विप्र संकल्प का विमोचन किया जाएगा। सामाजिक एकता, युवा सशक्तिकरण, शिक्षा, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, शिक्षाविदों और युवाओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर स्वर्गीय पंडित मांगे राम शर्मा को नमन करें और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

विजय सोमाणी ने मां शीतला के दरबार में माथा टेककर लिया आशीर्वाद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले राष्ट्रीय नवचेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक विजय सोमाणी ने माता शीतला मंदिर पहुंचकर विधिवत रूप से पूजा–अर्चना की और मां शीतला का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने माँ के चरणों में नतमस्तक होकर देश और प्रदेश की सुख–समृद्धि, खुशहाली तथा समाज में आपसी सौहार्द व अमन–चौन की मंगल कामना की।

मंदिर में दर्शन करने के पश्चात उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ नवरात्र पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर भी विचार साझा किए। विजय सोमाणी ने कहा कि नवरात्र का यह पर्व नारी शक्ति के सम्मान और आंतरिक शुद्धि का प्रतीक है। इस प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समस्त देशवासियों को नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और माँ से सभी के जीवन में उजाला एवं आरोग्य बनाए रखने की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद अन्य गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने भी विजय सोमाणी का स्वागत किया और इस पावन पर्व पर मां का आशीर्वाद लिया।

कंपनी का मार्क लगाकर नकली सिलाई मशीनों का कारोबार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा।इटावा में नामी कंपनियों के ट्रेडमार्क का कथित दुरुपयोग कर नकली सिलाई मशीनें बेचने का मामला सामने आया है। बजाज और ऊषा कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने विभिन्न दुकानों और गोदामों में जांच कर 109 सिलाई मशीनें, 10 कार्टन बॉक्स और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बजाज सिलाई ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड और ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि शिवम गुप्ता ने 12 अक्टूबर को कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि कुछ दुकानों और गोदामों से कंपनियों के नाम और ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर नकली सिलाई मशीनों की खरीद–बिक्री की जा रही है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कॉपीराइट अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। कंपनी प्रतिनिधि के साथ की गई कार्रवाई में बजाज कंपनी की 107 सिलाई मशीनें, एक पैक्ड सिलाई मशीन और ऊषा कंपनी की एक सिलाई मशीन समेत कुल 109 मशीनें बरामद की गईं। इसके अलावा 10 कार्टन बॉक्स और पैकेजिंग सामग्री भी मिली। पुलिस ने हामिद निवासी पथवरिया और असलम निवासी शाहकमर को गिरफ्तार किया है।

आभार संकल्प यात्रा निकली,बड़ी संख्या में जुटे बीजेपी कार्यकता

आगरा,संवाददाता। आगरा में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, आगरा महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष दिवाकर के नेतृत्व में जयपुर हाउस स्थित माधव भवन से भाजपा ब्रज क्षेत्र कार्यालय तक आभार एवं संकल्प यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं शामिल हुए। यात्रा का स्वागत भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता और महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा ने किया।

होर्मुज समझौता बंद होने से 2026 में खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट की आशंका, क्रूड ऑयल की कीमत 95.74 डॉलर रहने का अनुमान : आईएमएफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के कारण 2026 में मध्य पूर्व और मध्य एशिया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सिकुड़ सकती है। आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर 2025 के 3.7 प्रतिशत से घटकर 2026 में –0.3 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि 2027 में इसके दोबारा 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। आईएमएफ ने कहा कि अप्रैल 2026 के अनुमान की तुलना में 2026 के लिए वृद्धि दर में 2.2 प्रतिशत अंक की कटौती की गई है, जिसकी प्रमुख वजह होर्मुज जलडमरूमध्य के लंबे समय तक बंद रहने की आशंका है, जबकि उसके दोबारा खुलने के बाद 2027 में अपेक्षाकृत

मजबूत रिकवरी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक असर छोटे खाड़ी तेल उत्पादक देशों पर पड़ेगा। कुवैत की अर्थव्यवस्था 2026 में 16.7 प्रतिशत, इराक की 16 प्रतिशत, कतर की 15.6 प्रतिशत और बहरीन की 11.3 प्रतिशत तक सिकुड़ सकती है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा उत्पादन और परिवहन में बाधाओं का इन देशों पर सबसे ज्यादा प्रभाव होगा। हालांकि 2027 में इन देशों में तेज वापसी की संभावना जताई गई है। आईएमएफ के अनुसार, 2027 में इराक 19 प्रतिशत, कतर 18.8 प्रतिशत, कुवैत 17.1 प्रतिशत और बहरीन 13.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी अरब पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा क्योंकि उसके पास निर्यात के अधिक विविध मार्ग उपलब्ध हैं। सऊदी अर्थव्यवस्था के 2026 में 3.3 प्रतिशत सिकुड़ने और 2027 में 7.9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अर्थव्यवस्था 2026 में 3.9 प्रतिशत घट सकती है और 2027 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। ओमान इस रुझान से अलग रहेगा और उसके 2026 में 4.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। आईएमएफ ने ईरान की अर्थव्यवस्था के 2026 में 7.6 प्रतिशत सिकुड़ने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य तनाव बढ़ने, नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू होने और कड़े प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था दबाव में रहेगी। देश में मुद्रास्फीति 78.6 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। युद्ध शुरू होने से पहले प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल तेल, जो दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का लगभग एक–चौथाई है, इसी मार्ग से गुजरता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाड़ी देशों ने कुछ निर्यात अन्य बंदरगाहों के जरिए मोड़ा है, जबकि खाड़ी क्षेत्र के बाहर तेल उत्पादन में भी प्रतिदिन लगभग 20 लाख बैरल की वृद्धि हुई है। वहीं इसके साथ ही, आईएमएफ ने कहा है कि 2026 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95.74 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है, जो 2025 के 67.74 डॉलर प्रति बैरल से काफी अधिक है।

जरूरतमंद महिला को एसीपी ने राशन, फल–सब्जियां और घरेलू सामान दिया

आगरा,संवाददाता। आगरा के फतेहाबाद में बुधवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने डौकी पुलिस के साथ ग्राम नरि में एक जरूरतमंद महिला से मुलाकात की। जानकारी के अनुसार, महिला पिछले चार वर्षों से झोपड़ी में रहने को मजबूर है। वह भीषण गर्मी, सर्दी और बरसात के बीच इसी झोपड़ी में रहकर गुजारा कर रही है। एसीपी ने महिला से बातचीत कर उसकी परिस्थितियों की जानकारी ली। महिला ने बताया कि वह बासी रोटी खाकर जीवनयापन कर रही है। उसकी स्थिति जानने के बाद एसीपी ने उसे राशन, फल–सब्जियां और घरेलू उपयोग का सामान दिया। पुलिस की इस पहल से महिला को राहत मिली। स्थानीय लोगों ने जरूरतमंद महिला की मदद करने के लिए पुलिस की सराहना की।

आईएमएफ ने बढ़ाया भारत का ग्रोथ अनुमान, वित्त वर्ष 2027 में 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर अपना अनुमान बढ़ाते हुए कहा कि देश वित्त वर्ष 2026–27 में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा। आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2027 और वित्त वर्ष 2028 दोनों में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2027 के लिए यह अनुमान जुलाई 2026 के अपडेट की तुलना में 0.6 प्रतिशत अंक और अप्रैल 2026 के अनुमान से 0.5 प्रतिशत अंक अधिक है। वहीं वित्त वर्ष 2028 के अनुमान में भी जुलाई की तुलना में 0.3 प्रतिशत अंक और अप्रैल की तुलना में 0.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। कैलेंडर वर्ष के आधार पर आईएमएफ ने 2026 में भारत की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत और 2027 में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आईएमएफ के अनुसार, यह बेहतर अनुमान मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र की मजबूती को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंची तेल कीमतों के बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियां घरेलू मांग और सेवाओं के दम पर मजबूत बनी हुई हैं। रिपोर्ट में भारत को अन्य कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग बताते हुए कहा गया है कि जहां मध्य पूर्व संघर्ष और ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के कारण कई देशों के आउटलुक में कटौती की गई है, वहीं भारत के अनुमान को बढ़ाया गया है। आईएमएफ ने इसके पीछे अनुकूल जनसांख्यिकीय संरचना, बड़ा और विस्तार करता घरेलू बाजार तथा लगातार जारी संरचनात्मक सुधारों को प्रमुख कारण बताया है। आईएमएफ का अनुमान है कि भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (सीपीआई) 2026 में 5 प्रतिशत रह सकती है, जो 2025 में 2 प्रतिशत थी। इसके बाद 2027 में मुद्रास्फीति घटकर 4.4 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) 2026 में जीडीपी के 1.5 प्रतिशत और 2027 में 1.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2025 में यह 0.7 प्रतिशत था। सार्वजनिक वित्त के मोर्चे पर आईएमएफ ने भारत को अलग स्थान दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के बाद अधिकांश विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को ऋण–से–जीडीपी अनुपात स्थिर रखने के लिए अधिक राजकोषीय सख्ती की जरूरत होगी। जबकि भारत इस मामले मेंअपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। व्यापार के क्षेत्र में आईएमएफ ने भारत के हालिया समझौतों का भी उल्लेख किया।

बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स में 643 अंकों का उछाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 643.01 अंकों की तेजी के साथ 72,567.69 के स्तर पर आ गया। वहीं, निफ्टी में भी 202.25 अंक की बढ़त दिखी और यह 22,565.60 पर कारोबार कर रहा है। मंगलवार की सुबह शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में ऊपरी स्तरों से नरमी देखने को मिल रहा। इंटरनेशनल मार्केट में ब्रेंट क्रूड फिलहाल 105 डॉलर प्रति बैरल के पास कारोबार कर रहा है लेकिन एशियाई बाजारों में तेज बिकवाली दर्ज की जा रही। अमेरिकी सेमीकंडक्टर शेयरों में गिरावट और टेक्नोलॉजी सेक्टर को लेकर चिंताओं के बीच एशियाई बाजार शुरुआती कारोबार में नीचे हैं।

हफ्ते के पहले दिन सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

बाजार खुलते ही 1,400 रुपए टूटा सोना, चांदी 1,500 रुपए से ज्यादा फिसली

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू सर्राफा और वायदा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुरुआती कारोबार के दौरान सोना करीब 1,400 रुपए प्रति 10 ग्राम तक टूट गया, जबकि चांदी में भी 1,400 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बावजूद भारतीय बाजार में रुपए की मजबूती का असर कीमती धातुओं की कीमतों पर दिखाई दिया। एमसीएक्स पर 4 दिसंबर डिलीवरी वाला सोना पिछले कारोबारी सत्र में 1,51,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जो सोमवार को 1,51,596 पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में तेज बिकवाली के चलते करीब 1,50,056 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर तक फिसल गया, जो 1,443 रुपए यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू बाजार में गिरावट का मुख्य कारण रुपए में मजबूती और मुनाफावसूली रहा।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी

धान खरीद पूर्ण एमएसपी पर न किए जाने के विरोध में मार्केट कमेटी कार्यालयों पर ताले लगाकर जताया विरोध

मुख्यमंत्री नायब सैनी के दाना दाना खरीदने के दावे खोखले साबित

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान की खरीद न होने पर बुधवार को मार्केट कमेटी कार्यालयों पर ताले लगाकर विरोध जताया। जिले के रतिया में धान खरीद न होने पर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। फसल नहीं बिकने और कालाबाजारी के विरोध में बुधवार को किसान मोर्चा के आह्वान पर सैकड़ों किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालय पर ताला लगा दिया।

किसानों ने सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर सरकार और मार्केट कमेटी अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की।

किसानों का आरोप है कि रतिया मंडी में स्थानीय धान नहीं खरीदा जा रहा। बाहरी मंडियों से 1900–2200 रुपए प्रति क्विंटल के सस्ते भाव पर धान लाकर बेचा जा रहा है। इससे उनकी फसल मंडियों में पड़ी है और बेचने में परेशानी हो रही है।मुख्यमंत्री नायब सैनी के दाना दाना एम एस पी पर खरीदने के दावे खोखले साबित हो रहे है।

किसानों ने सेलर मालिकों पर कम दाम में धान खरीदकर शोषण का आरोप लगाया। उन्होंने खरीद में पारदर्शिता और स्थानीय फसल खरीदने की मांग की। चेतावनी दी गई कि मांगें न मानी गईं तो दो दिन बाद भाजपा कार्यालय का घेराव और नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा।

किसानों के अनुसार, जब उन्होंने मार्केट कमेटी कार्यालय पर ताला लगाया और अधिकारियों से बातचीत करने का प्रयास किया, तो कार्यालय में कर्मचारी और सचिव उपलब्ध नहीं मिले। इसके बाद किसानों ने कार्यालय के बाहर धरना जारी रखा। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक वे आंदोलन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। किसान संगठनों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि धान खरीद की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो दो दिन बाद जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय के सामने सरकार का पुतला फूंका जाएगा। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर नेशनल हाईवे जाम करने का ऐलान किया गया है।

किसानों ने कहा कि धान की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच करवाई जाए, बाहरी क्षेत्रों से आने वाली धान की आवक की जांच हो और स्थानीय किसानों की फसल प्राथमिकता के आधार पर खरीदी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धान खरीद में आ रही समस्याओं और किसानों की मांगों को लेकर बुधवार को फतेहाबाद के जाखल में किसान संगठनों ने मोर्चा खोल दिया। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति और भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के नेतृत्व में सुबह 11 बजे जाखल मार्केट कमेटी कार्यालय पर तालाबंदी कर दी गई। किसानों का यह रोष पूरे हरियाणा स्तर पर किया जा रहा है। जाखल मार्केट कमेटी में तालाबंदी को लेकर भारी संख्या में किसान मौके पर मौजूद रहे।

सयुंक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान संगठनों ने मार्केट कमेटी में तालाबंदी को लेकर पहले से ही ऐलान कर दिया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, बुधवार को किसानों ने सुबह 11 बजे जाखल मार्केट कमेटी कार्यालय पर ताला लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया।किसान नेताओं ने कहा कि, किसान संगठनों का यह विरोध धान की सरकारी खरीद में आ रही परेशानियों और खरीद प्रक्रिया में लागू शर्तों के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन का हिस्सा है।

उनकी मांग है कि धान खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, धान खरीद पर प्रति एकड़ निर्धारित सीमा जैसी शर्तों को हटाया जाए तथा किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।पगड़ी सम्भाल जट्टा किसान संगर्ष समिति ब्लाक जाखल से प्रधान लाभ सिंह, हरविंदर सिंह, जगतार सिंह, नसीब सिंह, अमरीक सिंह, भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहा की तरफ से अजय सिधानी, उतम सिंह, गोरा, जगरूप सिंह सहित भारी संख्या में किसान प्रदर्शनकारियों में शामिल रहे। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा हरियाणा के बुलावे पर आज फतेहाबाद में किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालयों पर ताले लगाए। भट्टू रोड स्थित कार्यालय पर मुख्य गेट बंद कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन की अगुवाई पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेता कर्मजीत सिंह सालमखेड़ा ने की। किसान नेताओं ने बताया कि मंडियों में धान और बाजरे की फसल खरीदने में धांधली हो रही है। इससे किसानों को अपनी फसल एमएसपी से कम दाम पर बेचनी पड़ रही है। धान की खरीद और समय पर लिफ्टिंग न होने से भी किसानों को परेशानी हो रही है। किसानों ने मांग की कि धान खरीद में 28 क्विंटल प्रति एकड़ की शर्त तुरंत हटाई जाए। मंडियों में चार प्रतिशत काट के नाम पर हो रही अवैध वसूली बंद हो और धान की फसल एमएसपी पर खरीदी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन तेज होगा। इस दौरान कई किसान नेता और बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

करनाल जिले की मंडियों में धान की खरीद नहीं होने और फसल के दाम में कटौती से परेशान किसानों ने बुधवार को करनाल मार्केट कमेटी कार्यालय पर ताला जड़ दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के सदस्यों ने कार्यालय के सभी गेट बंद कर दिए। किसानों ने कहा कि दोपहर 2 बजे तक तालाबंदी जारी रहेगी। इसके बाद आंदोलन को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष रतनमान भी किसानों के बीच पहुंचे। उन्होंने सरकार पर किसान विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मंडियों में धान के दाम में 400 से 500 रुपए प्रति क्विंटल तक कटौती हो रही है। किसान 10 से 15 दिन से फसल लेकर मंडियों में बैठे हैं, लेकिन खरीद और उठान की व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। हाईवे जाम करने और अन्य विरोध प्रदर्शन करने से भी किसान पीछे नहीं हटेंगे।

किसान नेता बाहदुर मैहला ने कहा कि मंडियों में धान के ढेर लगे हैं, लेकिन उठान नहीं होने के कारण अनाज खुले में पड़ा है। हर तीसरे–चौथे दिन मौसम खराब हो रहा है। बारिश के कारण धान भीग रहा है और फसल खराब होने का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने समय पर खरीद शुरू करने की मांग को गंभीरता से नहीं लिया, जिसके कारण किसानों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि किसान संगठनों ने सरकार को 15 सितंबर से पहले खरीद शुरू करने के लिए चेताया था। यदि समय पर खरीद शुरू हो जाती तो किसानों को मंडियों में इतने दिन इंतजार नहीं करना पड़ता।

भाकियू प्रदेश अध्यक्ष ने कृषि मंत्री के मंडियों में दौरे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री मंडियों में आकर चाय–बिस्कुट पीते हैं और लौट जाते हैं, जबकि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की खरीद व्यवस्था सही होती तो किसानों को मंडियों में इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता।

रतनमान ने मंडियों में खारीद और उठान की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है और उन्हें दाम में कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

किसान नेता बहादुर मैहला ने पंजाब के किसानों को भी हरियाणा के सीएम नायब सैनी के राजनीतिक वादों को लेकर आगाह किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसान फसल बेचने के लिए परेशान हैं और उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के दावे करने से किसानों का भला नहीं होगा, बल्कि मंडियों में खरीद, भुगतान और उठान की व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा।

किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालय के सभी गेट बंद कर तालाबंदी की। संगठन की ओर से कहा गया कि दोपहर 2 बजे तक विरोध जारी रहेगा। इसके बाद किसान अगली रणनीति तय करेंगे। रतनमान ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो हाईवे जाम करने सहित बड़े आंदोलन किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि धान की खरीद शुरू होने के बाद भी किसानों की दूसरी समस्याओं को लेकर आंदोलन जारी रह सकता है। किसान संगठनों की मांग है कि मंडियों में धान की खरीद तेजी से कराई जाए, फसल के दाम में कथित कटौती रोकी जाए और उठान की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि किसानों को मंडियों में लंबे समय तक फसल लेकर न बैठना पड़े।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को किसानों ने टोहाना और धारसूल अनाज मंडी के मुख्य गेट पर ताला जड़कर सांकेतिक धरना किया। इस दौरान किसानों ने हरियाणा सरकार, मार्केट कमेटी प्रशासन और सरकार की कृषि नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों ने मंडी परिसर में धरना देकर धान की सरकारी खरीद एमएसपी पर शुरू करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान किसान नेता जगतार सिंह और जग्गी महल ने बताया कि मंडियों में धान की आवक शुरू हो गई है, लेकिन सरकार की ओर से खरीद शुरू नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 17 प्रतिशत नमी वाली सूखी फसल में भी 200 रुपये प्रति क्विंटल का कट लगाया जा रहा है, जबकि 18–19 प्रतिशत नमी वाली जीरी को 1900 से 2000 रुपये में खरीदने के लिए किसान को मजबूर किया जा रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि मंत्री, डीसी, एसडीएम आते हैं, फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं, लेकिन धरातल पर कोई समाधान नहीं होता। ऊपर से मंडी में पड़ी जीरी बारिश के कारण खराब हो रही है, जिससे भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह तीन घंटे का सांकेतिक प्रदर्शन है। अगर सरकार ने खरीद शुरू कर किसानों को पूरा भाव नहीं दिया तो संयुक्त किसान मोर्चा के फैसले के अनुसार सड़कों को जाम करने, मार्केट कमेटी को पक्का बंद करने और एसडीएम–डीसी कार्यालय का घेराव करने जैसे बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। किसानों ने कहा कि अब आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING
THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

www.lokhastakshep.com

लोक हस्तक्षेप

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep